दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 260 जयपुर, गुरुवार, 29 अगस्त, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-एकादशी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

राजस्थान के लिए खुश खबरी: जोधपुर-पाली राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) में शामिल

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बोले, जोधपुर क्षेत्र के विकास को लगेंगे पंख

केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

बेधड़क | जयपुर/जोधपुर

जोधपुर और पाली जिले के बीच दोनों जिलों की भूमि पर इंडस्ट्रियल स्मॉर्ट सिटी बनेगी। केंद्र सरकार ने अपने बजट में 12 ऐसे शहर बनाने की घोषणा की थी। इसके तहत बुधवार को शहरों के नाम घोषित किए गए। इसमें जोधपुर-पाली का नाम आया है। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम में (एनआईसीडीपी) जोधपुर-पाली को शामिल करने पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। शेखावत ने कहा कि जोधपुर-पाली के लिए यह खुशखबरी है और जोधपुर क्षेत्र के विकास को नए पंख मिलने जा रहे हैं।

28,602 करोड़ के निवेश के साथ 12 नए प्रस्तावों को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने एनआईसीडीपी के तहत 28,602 करोड़ के निवेश के साथ 12 नए परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें जोधपुर-पाली शामिल है। प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए शेखावत ने कहा कि पीएम मोदी की आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की अभूतपूर्व और परिणामदायी नीतियों में एनआईसीडीपी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत 'इंडस्ट्रियल स्मॉर्ट सिटीज' निर्माण में राजस्थान से 'जोधपुर-पाली' को शामिल किया जाना क्षेत्र के समस्त नागरिकों के जीवन स्तर में शानदार सुधार लेकर आने वाला निर्णय साबित होगा।

एक जीवंत औद्योगिक इको सिस्टम को बढ़ावा देंगे

शेखावत ने कहा कि एनआईसीडीपी को बड़े एंकर उद्योगों और एमएसएमई, दोनों से निवेश की सुविधा प्रदान करके एक जीवंत औद्योगिक इको सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। ये औद्योगिक नोड साल 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर निर्यात प्राप्त करने के लिए कैटलिस्ट के रूप में कार्य करेंगे, जो सरकार के आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत के विजन को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि नए औद्योगिक शहरों को वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिन्हें 'प्लग-एन-प्ले' और 'वॉक-टू-वर्क' सिद्धांत पर 'मांग से पहले' बनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं की मंजूरी 'विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। (पेज 08 भी देखें)

जरूरी खबर

दलजीत सिंह बने बीएसएफ के महानिदेशक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को एसएसबी महानिदेशक आईपीएस दलजीत सिंह चौधरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया है। वह 30 नवंबर 2025 या अगले आदेश तक अपने पद पर बने रहेंगे। हाल ही में नितिन अग्रवाल को महानिदेशक पद से हटाए जाने के एक दिन बाद ही एसएसबी महानिदेशक दलजीत को बीएसएफ डीजी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। अब सरकार ने उन्हें स्थाई तौर पर इस पद को संभालने की जिम्मेदारी दे दी है। दलजीत सिंह चौधरी 1990 बैच के यूपी कैडर के अधिकारी हैं। उन्हें राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस आज से

जयपुर। राज्य के शीर्ष पुलिस अफसर यहां आरआईसी में गुरुवार से आयोजित होने वाली दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस में चिंतन-मनन करते हुए बेहतर पुलिसिंग का रोडमैप तैयार करेंगे। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 'पुलिसिंग विद एक्सीलेंस-द वे फॉरवर्ड' विषय पर आयोजित इस विशेष कांफ्रेंस का शुभारम्भ करेंगे। उद्घाटन सत्र में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत और एसीएस (गृह) आनंद कुमार आदि मौजूद रहेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार

अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

CM की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में सबको सौगात

2+ बच्चों वाले कार्मिकों के प्रमोशन का रास्ता साफ ग्रेच्युटी 25 लाख रुपए तक

■ आरजीएचएस का दायरा बढ़ा, कार्मिक को मिलेगा माता-पिता या सास-ससुर को सम्मिलित करने का विकल्प

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में आगामी उप चुनावों का असर साफ देखा गया। सरकार ने जनहित में जहां बड़े फैसले लिए हैं, वहीं कर्मचारियों को सौगातें दी हैं। कर्मचारियों की डेथ ग्रेच्युटी को 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी गई है। अब कर्मचारियों के प्रमोशन का लाभ तृतीय और चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को देने का फैसला किया है। वहीं दो से अधिक बच्चों वाले कर्मचारियों को भी प्रमोशन देने को मंजूरी दे दी है। इन फैसलों की जानकारी प्रदेश के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेस वार्ता में दी। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान सरकार ने कैबिनेट में बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए सौर ऊर्जा के लिए अलग-अलग कंपनियों को जमीन आवंटन करने का भी फैसला ले लिया है। सरकार ने आरजीएचएस में पेंशनधारी कर्मचारियों को 20 हजार की जगह अब 30 हजार रुपए तक की आउटडोर सुविधा देने का फैसला लिया है।

सीजीएचएस की तर्ज पर अब आरजीएचएस में भी चिकित्सा सुविधा

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने बताया कि राज्य कार्मिकों के हित में उनकी ग्रेच्युटी एवं डेथ ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाते हुए 25 लाख करने को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि अब पुरुष एवं महिला कार्मिकों को सीजीएचएस की तर्ज पर अब आरजीएचएस में भी चिकित्सा सुविधा के लिए माता-पिता या अपने सास-ससुर में से किसी एक को सम्मिलित करने का विकल्प मिलेगा, बशर्ते माता-पिता या सास-ससुर आश्रित होने के साथ पुरुष अथवा महिला कार्मिक के साथ निवास करते हों। इस संबंध में बजट वर्ष 2024-25 की घोषणा की क्रियान्विति करते हुए राजस्थान सिविल सेवा (चिकित्सा परिचर्या) नियम, 2013 के नियम 3(9) में संशोधन किया जाएगा।

नियमों में संशोधन से मार्ग प्रशस्त

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि कैबिनेट ने विभिन्न नियमों में संशोधन पर मुहर लगाई। इससे कार्मिक की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर अब आश्रित को केंद्रीय कार्मिकों की तरह ही 10 वर्षों तक बढ़ी हुई दर से पारिवारिक पेंशन का लाभ मिल सकेगा। वहीं, न्यायालयों के उन लिपिकवर्गीय कार्मिकों, चालकों एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत मिलेगी जो दो से अधिक संतान होने के कारण पदोन्नति से वंचित हो गए थे। अब उनकी पदोन्नति के लिए उस तारीख से विचार किया जा सकेगा, जिससे उनकी पदोन्नति देय हो गई थी और उन्हें नोशनल वेतनवृद्धि दी जा सकेगी।

नाथद्वारा-देवगढ़-मदारिया रेल लाइन आमान परिवर्तन के लिए भूमि आवंटन

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रदेश के रेल परिवहन तंत्र को मजबूत करने तथा मार्बल, ग्रेनाइट और माइनिंग जैसे उद्योगों को विकसित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर श्रीनाथद्वारा को मेवाड़ और मारवाड़ से जोड़ने वाली नई लाइन के निर्माण में तेजी लाई जा रही है। राजसमंद जिले के राजसमंद, देवगढ़, नाथद्वारा एवं आमेट उपखण्डों की कुल 42.1576 हैक्टेयर भूमि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 102 के अंतर्गत नाथद्वारा-देवगढ़-मदारिया आमान परिवर्तन परियोजना के लिए रेलवे मंत्रालय को आवंटित करने की स्वीकृति मंत्रिमण्डल बैठक में प्रदान की गई।

3000 मेगावाट की 4 सौर ऊर्जा परियोजनाएं

पटेल ने बताया कि 3000 मेगावाट की 4 सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए राजस्थान भू-राजस्व (अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर आधारित ऊर्जा उत्पादन इकाई स्थापना के लिए भूमि आवंटन) नियम, 2007 के प्रावधानों एवं शर्तों के तहत भूमि आवंटन की स्वीकृतियां प्रदान की गई। बीकानेर की पूगल तहसील के ग्राम बरजू में 50.42 हे. भूमि 765/400/220 केवी सबस्टेशन की स्थापना के लिए बीकानेर-3 नीमराना ट्रांसमिशन लिमिटेड को आवंटित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। सौर ऊर्जा आधारित इन परियोजनाओं से राज्य में क्षेत्रीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी। पेज 02 भी देखें

अरुणाचल में सेना के 3 जवान शहीद... एक शहीद बाड़मेर से

ऑपरेशन अलर्ट के दौरान खाई में गिरा आर्मी का ट्रक

बेधड़क | जयपुर

अरुणाचल प्रदेश में ऑपरेशन अलर्ट के दौरान सेना का ट्रक खाई में गिरने से में सेना के 3 जवान शहीद हो गए और चार घायल हो गए। चारों घायल जवानों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सेना के ईस्टर्न कमांड ने शोक व्यक्त किया है।

हादसे में हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और ग्रेनेडियर आशीष शहीद हुए हैं। शहीदों में हवलदार नखत सिंह राजस्थान के बाड़मेर जिले के रहने वाले थे। यह हादसा 27 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के लिमीकिंग से करीब 15 किमी दूर बोरारूपक के पास हुआ था। हवलदार नखत सिंह के शहीद होने की खबर जैसे ही गांव में पहुंची।

नखत सिंह

मुकेश कुमार

आशीष

डिब्रूगढ़ से दिल्ली लाएंगे पार्थिव देह

शोक में बाड़मेर के हरसाणी गांव का बाजार पूरी तरह बंद है। शहीद नखत सिंह की पार्थिव देह गुरुवार सुबह 11 बजे बाड़मेर लाई जाएगी। असम के डिब्रूगढ़ एयरबेस से हेलिकॉप्टर में पार्थिव देह को पहले दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से उनके पैतृक गांव लाई जाएगी।

2010 में भर्ती हुए थे नखत सिंह

बाड़मेर जिला मुख्यालय से करीब 95 किमी दूर हरसाणी गांव के रहने वाले हवलदार नखत सिंह (34) साल 2010 में सेना में भर्ती हुए थे। उनके चचेरे भाई महेंद्र ने बताया कि नखत सिंह सहित 6 भाई और एक बहन थे। इनके पिता का 5 साल पहले स्वर्गवास हो गया था। भाई खेतीबाड़ी करते हैं। पत्नी विजय लक्ष्मी (31) गृहिणी हैं। इनके 2 बच्चे हैं। बेटा शौर्य 7 साल का और बेटी निकू 3 साल की है।

प्रदेश में अगले 3 दिन कमजोर रहेगा मानसून

प्रदेश में बारिश की चाल पड़ी धीमी अब 2 से फिर पकड़ेगी रफ्तार

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में तेज बारिश की गतिविधियां धीमी पड़ने लगी है। बुधवार को प्रदेश के करीब एक दर्जन शहरों में हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश जनित हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। टोंक के बरौली में रपट में दो भाई बह गए थे,इनमें से एक को बचा लिया गया। इसके अलावा जयपुर के माधोराजपुरा के बिसालू गांव में मासी नदी की रपट में बहने से एक बच्चे की मौत हो गई।

दूसरी ओर, इस सीजन में अब तक 52 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। 27 अगस्त तक सामान्य बारिश 357.6 एमएम होती है, जो इस बार 542.5 एमएम है। जो इस बार 52 प्रतिशत ज्यादा है।

जयपुर में खिली धूप, बढ़ा पारा

जयपुर में छितराए बादलों बीच से धूप खिली। धूप में तल्खी देखने को मिली। इससे जयपुर के पारे में बढ़ोतरी दर्ज की गई। जयपुर के दिन के पारे में एक डिग्री से ज्यादा तो रात के पारे में करीब एक डिग्री का उछाल दर्ज किया गया। जयपुर का अधिकतम तापमान 31.5 और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री दर्ज किया गया। आगामी दो-तीन जयपुर में बारिश की गतिविधियों में कमी देखने को मिलेगी। 2 सितम्बर से एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू होगा।

पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात सिरोही के माउंट आबू में 51 एमएम दर्ज हुई। अलवर में 37 एमएम, बाड़मेर के गुढ़ामनाली में 33, डूंगरपुर के वेंजा में 36, उदयपुर के सलूंबर में 30 और गोगुंदा 21एमएम बरसात दर्ज हुई। जालोर, जैसलमेर, जोधपुर समेत आसपास के कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई।

बीसलपुर बांध में 13 सेंमी पानी की आवक: बीसलपुर बांध में बुधवार को 13 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई है। बीसलपुर बांध का जलस्तर 313.23 से बढ़कर 314.36 आरएलमीटर पहुंच गया। हालांकि त्रिवेणी के जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। बुधवार को त्रिवेणी का जलस्तर 3.10 मीटर दर्ज किया गया।

कांग्रेस पर वार

भाजपा में परिवारवाद होता तो मैं प्रदेश अध्यक्ष नहीं बन पाता: मदन राठौड़

- राजस्थान प्रभारी पर स्याही फेंकने के मामले में दी प्रतिक्रिया
- कहा- लोकतंत्र में सबको बात रखने का हक, लेकिन घटिया प्रदर्शन निंदनीय
- राहुल गांधी कहते हैं- हिन्दू-हिंसा, अरे हिन्दू तो रात को पेड़ भी नहीं हिलाते

बेधड़क | जयपुर/उदयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा में परिवारवाद नहीं है, होता तो मैं प्रदेश अध्यक्ष नहीं बन पाता।

मैंने कभी सपने भी नहीं सोचा था कि राजस्थान भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनूंगा, लेकिन संगठन ने मुझे जिम्मेदारी दी। उन्होंने बुधवार को सलूंबर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस भाजपा के खिलाफ भ्रम फैला रही है। राहुल गांधी कहते हैं- हिन्दू-हिंसा, अरे हिन्दू तो रात को पेड़ भी नहीं हिलाते। हिंसा कैसे कर सकते हैं। कांग्रेस नेताओं को व्यवहार में बदलाव लाना चाहिए। समाज में हिंसा फैलाने की बात करने वाली कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

सत्ता प्राप्त करने के लिए समाज को तोड़ने वाला काम ठीक नहीं है। जो स्थिति पड़ौसी देश में हुई है उससे सावधान रहने की जरूरत है। हमारे यहां अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, उनको जनता मुंह तोड़ जवाब देगी और जनता गांवों में घुसने नहीं देगी ऐसे लोगों को।

स्याही फेंकने की घटना निंदनीय

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विगत दिनों राजस्थान प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल की कार पर स्याही फेंकने के मामले में कहा कि युवाओं ने पायलट के समर्थन में नारे लगाए। हीन भावना दिखाई। लोकतंत्र में बात रखने का हक है लेकिन कोई घटिया प्रदर्शन करें यह निंदनीय है। हम चाहते तो जवाब दे सकते लेकिन हमारे प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने उनको माफ कर दिया।

हमारी पार्टी में योग्यता के आधार पर पद

भाजपा में परिवारवाद के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस का परिवारवाद, ममता बनर्जी, मायावती, पंजाब का परिवारवाद, आम आदमी पार्टी का परिवारवाद देखिए। परिवारवाद तो उन सब में है। हमारी पार्टी में योग्यता के आधार पर पद तय होते हैं। हम जनसेवक देखकर पद देते हैं। प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि यहां के विकास की बहुत योजनाएं हमारी सरकार ने दी हैं। जनजाति बेल्ट के लिए बहुत योजनाएं पहले भी दी है और अब भी दे रहे हैं। कांग्रेस ने इस क्षेत्र की चिंता कभी नहीं की है।

बीकानेर से 180 किमी दूर सांचू पोस्ट पर राज्यपाल ने बीएसएफ जवानों से मिलकर की हौसला अफजाई

भारत-पाक सीमा पर पहुंचे राज्यपाल, BSF जवानों से किया संवाद

बेधड़क | जयपुर

बीकानेर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर बीकानेर पहुंचे। राज्यपाल ने बीकानेर जिला मुख्यालय से लगभग 180 किमी दूर भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित बीएसएफ की सांचू पोस्ट का निरीक्षण किया।

राज्यपाल ने यहां बीएसएफ के जवानों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की। जवानों से संवाद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बीएसएफ के जवान सीमा प्रहरी के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। इनके बीच उपस्थित होना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जवानों के राष्ट्र के प्रति प्रेम और देश की सीमाओं पर मुस्तैदी से तैनात रहने के हौसले को प्रणाम करता हूं। उन्होंने सांचू चौकी को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां तैनात सैनिक, राष्ट्र की धरोहर हैं। ये जवान विपरीत परिस्थितियों में देश की आंतरिक और बाहरी सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, जिसकी बदौलत आम आदमी चैन की नींद सो पाते हैं। उन्होंने यहां तैनात विभिन्न राज्यों के जवानों से बातचीत की और उन्हें फल भेंट किए।

सीमांत क्षेत्र के लोगों को मिले आधारभूत सुविधाएं

राज्यपाल ने यहां आंतरिक सुरक्षा संबंधी बैठक ली। उन्होंने कहा कि पुलिस, बीएसएफ, सेना और सीआईडी सहित सभी सुरक्षा एजेंसियां पूर्ण सतर्कता से कार्य करें और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक बिंदु पर नजर रखें। उन्होंने सीमांत क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने, मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और सीमांत क्षेत्र में आसूचना तंत्र को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि सीमांत क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सभी आधारभूत सुविधाएं मिलें। यहां रहने वाले लोगों को केंद्र और राज्य प्रवर्तित योजनाओं का लाभ दिया जाए और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदान का अधिकार भी मिले।

सांचू माता मंदिर के किए दर्शन

राज्यपाल ने सांचू चौकी में सांचू माता मंदिर के दर्शन किए। यहां के म्यूजियम में आमजन के अवलोकनार्थ रखे गए हथियारों को देखा और कहा कि आमजन तक सीमा सुरक्षा बल के स्वर्णिम इतिहास और गौरवमयी वर्तमान को पहुंचाने की दृष्टि से यह म्यूजियम बेहद उपयोगी है। उन्होंने यहां ऑडियो विजुअल हॉल में बीएसएफ के इतिहास से जुड़ी लघु फिल्म देखी और केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार का अवलोकन किया।

जरूरी खबर

सदस्यता अभियान को लेकर बीजेपी की कार्यशाला

चाकसू। भारतीय जनता पार्टी मंडल कोटखावदा की सदस्यता अभियान को लेकर बुधवार को कार्यशाला का आयोजन गणेश मंदिर पर हुआ। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में जिला उपाध्यक्ष जयपुर देहात दक्षिण संजय सिंह और अभियान संयोजक श्रवणलाल गुर्जर (जिला उपाध्यक्ष) ने सदस्यता अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रमुख लक्ष्य घर-घर जाकर सदस्य बनाना है। मंडल अध्यक्ष बनवारी शर्मा ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर जाकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में नए सदस्य बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्योपुर मंडल अध्यक्ष श्रवण तिवारी ने कार्यकर्ताओं को टीम भावना से काम करने की अपील की।

रीको का कर्मचारी 92 हजार घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर। एसीबी ने बुधवार को कुचामन-डीडवाना में कार्रवाई करते हुए कार्यालय क्षेत्रीय प्रबंधक रीको उप इकाई मकराना (बिदियाद) जिला कुचामन-डीडवाना निजी सहायक कर्मचारी (संविदा कर्मी) विजय सिंह को परिवादी से 92 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि झुंझुनूं टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी फर्म की पीएमटी करने की एवज में रीको का निजी सहायक कर्मचारी विजय सिंह द्वारा क्षेत्रीय प्रबंधक के नाम पर एक लाख रुपए की रिश्वत राशि की मांग कर रहा है।

नियम तोड़ने पर लगेगा एक लाख का जुर्माना

प्रदेश की टोल नीति में बदलाव हर टोल बूथ पर लगेगा फास्टैग

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान सरकार ने टोल नीति में बड़ा बदलाव किया है। अब हर टोल बूथ पर फास्टैग लगेगा। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को आरएसआरडीसी बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक में टोल नीति में महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी देते हुए सभी टोल्स पर फास्टैग चालू करने, रेट बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टोल बूथों पर फास्टैग लागू होने से आमजन को राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि टोल नियमों में किए गए इन महत्वपूर्ण परिवर्तनों से टोल संवेदकों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

साथ ही टोल टैक्स एकत्रण की प्रक्रिया नियमित एवं सुचारू होने से राजस्व में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लागू टोल पॉलिसी के कुछ बिंदुओं को समय की आवश्यकता के अनुरूप संशोधित किया गया है।

वर्तमान में लागू संवेदक का रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया समाप्त कर दी गई, जिससे अधिक संख्या में संवेदक निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। टोल की कॉन्ट्रैक्ट की अवधि 2 वर्ष से घटाकर एक वर्ष कर दी गई है, जिसे अधिकतम 3 माह बढ़ाया जा सकेगा। नियमों की पालना नहीं करने पर एक लाख रुपए प्रति गलती की पेनल्टी का प्रावधान रखा गया है। यह दस्तावेज एनएचआई के नियमों के अनुरूप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि टोल रोड पर टोल टैक्स एकत्र करने के लिए नई आरएफक्यू कम आरएफपी दस्तावेज तैयार किए गए हैं। इसके तहत संवेदक की नेट वर्थ निविदा लागत की 20 प्रतिशत होना आवश्यक है।

स्टेट हाईवे पर वे-साइड सुविधाएं करें विकसित

उप मुख्यमंत्री ने बोर्ड मीटिंग में निर्देश दिए कि प्रदेश के स्टेट हाईवे महत्वपूर्ण स्थानों को कनेक्टीविटी प्रदान करते हैं और इन पर लाखों लोग गुजरते हैं। इनकी सुविधा के लिए इन स्टेट हाईवेज पर वे-साइड सुविधाएं जैसे रेस्टोरेंट, सुविधाएं आदि विकसित करने का तत्काल परिक्षण किया जाए।

मैन पावर कॉन्ट्रैक्ट का प्रावधान

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि किसी कारण टोल का रेगुलर कॉन्ट्रैक्ट नहीं होने पर मैन पावर एजेंसी द्वारा टोल टैक्स एकत्र करने का आरएफक्यू कम आरएफपी तैयार किया गया है, जिन सड़कों पर निविदाएं सफल नहीं हो रही हैं, इसके साथ टोल वसूली कार्य एक्सटेंशन पर चल रहे हैं, उन पर यह प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से लागू कर फास्टैग के आधार पर टोल टैक्स एकत्र करने का कार्य सुचारू किया जाएगा। रिडकोर विभाग में 50 प्रतिशत से अधिक टोल प्लाजा पर मैन पावर कॉन्ट्रैक्ट द्वारा टोल एकत्र किया जा रहा है। उसी के अनुरूप दस्तावेज तैयार किया गया है।

फास्टैग कमांड सेंटर का किया निरीक्षण

उप मुख्यमंत्री ने आरएसआरडीसी भवन में स्थापित फास्टैग कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। इस सेंटर के माध्यम से प्रदेश के सभी फास्टैग आधारित संचालित टोल प्लाजाओं की लाईव मोनिटरिंग की जा सकती है। इन सभी टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कमाण्ड सेंटर में लगी स्क्रीन्स पर टोल्स का लाइव व्यू उपलब्ध होता है। उन्होंने कहा कि कमांड सेंटर में लगे डैशबोर्ड पर ये देखा जा सकता है कि किस प्रकार के ओर कितने वाहन टोल से गुजर रहे हैं। वहां एकत्र होने वाले रेवेन्यू को रियल टाइम वॉच किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सिस्टम में पारदर्शिता आएगी। टोल कर्मियों के नागरिकों के साथ व्यवहार पर भी इसके माध्यम से नजर रखी जा सकती है तथा आवश्यकता पड़ने पर टैफिक मैनेजमेंट में भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने सभी टोलो पर फास्टैग तत्काल चालू करके फास्टैग कमांड सेंटर से जोड़ने के निर्देश दिए।

7896 करोड़ की लागत से होंगे 11 केवी फीडर सेग्रेगेशन के कार्य

बेधड़क | जयपुर

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान सरकार ने कैबिनेट की बैठक में रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के अंतर्गत कृषि फीडर्स के 11 केवी फीडर पृथक्करण (सेग्रेगेशन) की क्रियान्विति को मंजूरी प्रदान की गई। इस योजना में लगभग 7 हजार 896 करोड़ रुपए की लागत से 11 केवी फीडर सेग्रेगेशन के 7522 कार्य करवाए जाएंगे, जिसके लिए आरईसी लिमिटेड की ओर से स्वीकृति एक अप्रैल, 2024 को प्राप्त हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि जिन 33/11 केवी सबस्टेशन पर 11 केवी फीडर सेग्रेगेशन का कार्य किया जाएगा, वहां नए सोलर पावर प्लांट लगाने, मीटरिंग, बिलिंग और राजस्व संग्रहण के कार्य को भी फीडर सेग्रेगेशन में ही जोड़ा गया है। यह कार्य हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल पर किया जाएगा, जिससे नए स्थापित होने वाले सौर ऊर्जा संयंत्रों का स्थानीय स्तर पर उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा और कृषि उपभोक्ताओं को दिन के समय बिजली दी जा सकेगी।

टेक्नोलॉजी सेंटर के लिए एमएसएमई मंत्रालय को आवंटित होगी भूमि

पटेल ने बताया कि प्रदेश में एमएसएमई उद्यमों के विकास के लिए भी सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में केन्द्रीय एमएसएमई मंत्रालय को जयपुर में टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना के लिए जेडीए की दहमीकलां संस्थानिक योजना में 12 एकड़ भूमि निशुल्क आवंटित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे युवाओं को एमएसएमई सेक्टर से जुड़ी उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा और उनमें कौशल एवं दक्षता का विकास होगा।

गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के पोर्टल की हुई शुरुआत

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में किसानों और पशुपालकों की समृद्धि और कल्याण के लिए कृतसंकल्प है और इसी सोच को साकार करने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना पोर्टल की शुरुआत की गई है।

नेहरू सहकार भवन में आयोजित समारोह में पोर्टल की शुरुआत करते हुए दक ने कहा कि देश में पहली बार राजस्थान प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत गोपालक किसान परिवार को एक लाख रुपए तक का अल्पकालीन ब्याज मुक्त ऋण एक वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोपालक किसान द्वारा ऋण का समय पर चुकारा करने पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं देना होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि गोपालक किसान परिवारों को गाय/भैंस के लिए शैड, खेली निर्माण एवं चारा/बांटा सहित आवश्यक उपकरण खरीदने के लिए पैसों की कमी रहती थी, जिससे वह गोपालन से मिल सकने वाला पूरा लाभ नहीं ले पाता था।

इसी को ध्यान में रखते हुए गोपालक किसान को ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

'राइजिंग राजस्थान' 2024

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का मुंबई में पहला रोड शो कल

- मुंबई में लॉन्च की जाएगी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की वेबसाइट
- निवेश के लिए एमओयू पर भी किए जाएंगे हस्ताक्षर
- कई जानी-मानी हस्तियां अपने अनुभव साझा करेंगे

बेधड़क | मुंबई/जयपुर

इस साल दिसंबर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट 2024 का पहला रोड शो 30 अगस्त को मुंबई में आयोजित होगा। रोड शो में प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा खुद करेंगे। कार्यक्रम में निवेश संबंधी कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर और राइजिंग राजस्थान वेबसाइट का शुभारंभ होगा। रोड शो के दौरान उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां, जिन्होंने पहले से राजस्थान में निवेश कर रखा है, वो राज्य में निवेश से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करेंगे। शो में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री कर्नल राठौड़ के अलावा सरकार के कई शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसमें मुख्य सचिव सुधांश पंत, एसीएस शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं रीको लिमिटेड के अध्यक्ष अजिताभ शर्मा, उद्योग विभाग के कमिश्नर रोहित गुप्ता सहित अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी, जो राज्य के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अवसर एवं तेजी से हो रहे निवेश जैसी कई बातों को दर्शाएगी।

बता दें, 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन इसी साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर होगा। इसका आयोजन उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, बीआईपी और रीको के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

देश सहित विदेशों में भी होगा रोड शो

भारत की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में होने वाला यह रोड शो समिट इंडस्ट्री पार्टनर, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा अगले दो महीनों के दौरान राजस्थान सरकार दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी में भी रोड शो आयोजित करेगी, ताकि देशी-विदेशी निवेशकों, संस्थानों, निगमों और उद्योगों को राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित किया जा सके। इसके लिए सरकार के अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इन जगहों की यात्रा करेगा। इसके अलावा प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न शहरों में कई रीजनल समिट और सेक्टोरल प्री-समिट भी आयोजित करेगी, जिसका उद्देश्य राज्य के मौजूदा उद्योगों और उद्यमियों एवं नए निवेशकों के साथ बातचीत करना है।

जरूरी खबर

कांवटिया अस्पताल भूखंड मामले की ACB से कराएं जांच

जयपुर । सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कांवटिया अस्पताल के पास हुई भूखंड नीलामी की जांच के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक को पत्र लिखा है। हेरिटेज नगर निगम द्वारा भूखंड संख्या 56-बी की 10 जून, 2024 को की गई नीलामी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए शर्मा ने मामले की जांच की मांग की है। पत्र में शर्मा ने लिखा है कि कांवटिया अस्पताल से जुड़े 817 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के भूखंड की नीलामी को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। यह आरोप लगाया जा रहा है कि कुछ व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगे मूल्य की जमीन सस्ती दर पर बेच दी गई। इस मामले में बिना जांच के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना कठिन है। इससे पहले 5 अगस्त को विधायक शर्मा ने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर नीलामी प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे।

4 ट्रक सामान जब्त, 18000 रुपए शुल्क वसूला

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम सतर्कता शाखा ने बुधवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर 4 ट्रक सामान जब्त किया और 18000 रुपए परिवहन शुल्क वसूला। शाखा ने छोटी चौपड़ मेट्रो गेट नंबर 3, किशनपोल बाजार, चांदपोल बाजार, पीतल फैक्ट्री, चांदपोल शमशान के पास, गणेश मंदिर के पास चांदपोल, रामनगर शास्त्री नगर, नारगढ़ दुर्ग परिसर में मुख्य प्रवेश के द्वार के बाहर तक कार्रवाई की। इस दौरान सतर्कता शाखा उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में 4 ट्रक सामान जब्त किया और 18000/- परिवहन शुल्क वसूल किया गया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

जेडीए में हुई ट्रैप की कार्रवाई के बाद एसीबी की जांच में खुलासा

लीगल काम के लिए भी फोलो करना पड़ता है घूस सिस्टम

बेधड़क | जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के ऑफिस में जमीन का नियमन कराना हो, पट्टे जारी कराना हो या फिर भू-रूपांतरण कराना हो, जमीन से जुड़े सभी मामलों में आमजन को घूस के सिस्टम को फोलो करना ही पड़ता है।

अगर आमजन द्वारा इस सिस्टम को फोलो नहीं किया जाता तो फाइल एक टेबल से दूसरी टेबल पर केवल नोटशीट पर टिप्पणी करने के लिए ही चक्कर लगाती रहती है। खुद पीड़ित जब अधिकारियों पर लीगल काम नहीं होने का रोना रोता है तो जवाब मिलता है कि सिस्टम को ऊपर से नीचे तक फोलो करो। तब ही काम होगा। हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की गई ट्रेप की कार्रवाई के दौरान जांच में यह सामने आया है।

हर काम के लिए घूस की राशि तय

जेडीए के अधिकारियों ने जमीन से जुड़े हर काम के लिए घूस की राशि अलग-अलग तय कर रखी है। यह राशि 20 हजार रुपए से लेकर लाखों रुपए में है, जबकि बेशकीमती जगह पर बड़े साइज का भूखंड आवंटन कराने के लिए आमजन को करोड़ों रुपए की घूस देनी पड़ रही है। यह खुलासा पिछले सप्ताह एसीबी की गिरफ्त में आए आरोपियों ने पूछताछ में किया है। एसीबी ने आरोपियों के मोबाइल जांच के लिए एफएसएल को भेजे हैं। एफएसएल रिपोर्ट मिलने के बाद संदिग्ध अधिकारियों व दलालों पर भी एसीबी ने कार्रवाई की तैयारी कर ली है। आरोपियों के मोबाइल की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उन्होंने अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग दलालों के मार्फत कई दफा घूस की डिमांड की है।

मोबाइल पर लिखकर बताते हैं राशि

एसीबी की जांच में सामने आया कि अफसर-कर्मचारियों को ट्रेप होने का भी डर है। इसके बावजूद वे बेखौफ घूस की राशि ले रहे हैं। आरोपी सत्यापन से बचने के लिए अब लोगों से मौखिक रूप से या फिर मोबाइल पर डिमांड नहीं करते है। अब जब पीड़ित काम के लिए अफसर-कर्मचारियों से संपर्क करते हैं तो वे अपने मोबाइल पर घूस की राशि लिखकर डिमांड करते हैं।

डीसी की भूमिका भी संदिग्ध

एसीबी ने पिछले सप्ताह जमीन की 90ए कराने की एवज में डेढ़ लाख रुपए की घूस लेते तहसीलदार लक्ष्मीकांत गुप्ता, जेईएन खेमराज मीणा, पटवारी रविकांत शर्मा, पटवारी विमला मीणा, गिरदावर रुक्मणी, गिरदावर श्रीराम शर्मा और दलाल महेश मीणा को गिरफ्तार किया था। इस मामले में एसीबी ने प्रारंभिक जांच के बाद डीसी गुलाबचंद की भूमिका को भी संदिग्ध माना है।

स्वास्थ्य से खिलवाड़ पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

सड़े फलों से बनाया जा रहा था ज्यूस, फ्रीज में लगी थी फंगस

■ सी स्कीम में बगड़िया भवन के पास श्याम जूस सेंटर से फिंकवाए खराब फल

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में होटलों और जूस सेंटरों पर लोगों के स्वास्थ्य से जमकर खिलवाड़ की जा रही है। कहीं पर सड़े गले फलों से बने जूस में कलर मिलाकर ताजा फ्रूट्स से बना बताकर पिलाया जा रहा है तो कहीं सड़ी गली सब्जियां और एक्सपायरी सामग्री से बना खाना परोसा जा रहा है। ऐसा ही एक केस बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम की ओर से सी स्कीम में बगड़िया भवन के पास एक फेमस जूस शॉप पर की गई कार्रवाई में सामने आया है। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम जब सी स्कीम में बगड़िया भवन के पास स्थित श्याम जूस सेंटर पर पहुंची तो वहां पर बड़ी मात्रा में सड़े और फफूंद लगे फल मिले। यही नहीं, डीप फ्रीज में भी फंगस थी। टीम ने 7 किलो सड़े हुए फल नाले में फेंके।

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि काफी दिनों से जूस सेंटर को लेकर शिकायत मिल रही थी। दोपहर करीब 2 बजे डिपार्टमेंट की टीम श्याम जूस सेंटर पर पहुंची तो वहां काफी गंदगी मिलीं। जिन फलों से जूस और शेक बनाया जा रहा था, उन पर फफूंद लगी थी। जहां जूस बनाने का सामान और पानी रखा था, वहां भी चारों तरफ गंदगी थी।

एक्सपायरी डेट तक नहीं लिखी थी

पंकज ओझा ने बताया- टीम को मौके से करीब 7 किलो फल मिले, जिनमें कुछ काटे हुए भी थे। बताया गया कि इनका जूस बनाने वाले थे, जिसे मौके पर ही नाले में फेंका गया। इस दौरान जयपुर सीएमएचओ की टीम भी मौजूद थी। निरीक्षण के दौरान जब दुकान के बेसमेंट में गए तो वहां स्टोरेज के लिए दो-तीन डीप फ्रीज थे। जब फ्रीज को खोला तो उनमें फफूंद जमा थी। इनमें से काफी बदबू भी आ रही थी। फूड एसेंस समेत कुछ सामान भी रखे थे, जिन पर एक्सपायरी डेट तक नहीं लिखी थी।

डिस्प्ले में रखे फ्रूट्स पर भी लगी हुई थी फंगस

दुकान में सामने की तरफ डिस्प्ले में लगाए पपीते, केले समेत अन्य फलों की जब जांच की तो वो भी खराब मिले। पपीता जगह-जगह से गल-सड़ चुका था। फ्रीज में रखे फलों पर भी फफूंद थी। फलों को देखकर ऐसा लग रहा था, मानो एक से दो सप्ताह पहले खरीदे गए हों।

एक दिन पहले ही पकड़ा गया था नकली घी

इससे पहले, 27 अगस्त को फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम ने जयपुर में दिल्ली बाइपास पर मिलावटी और ब्रांडेड नकली घी बनाने के एक कारखाने पर छापा मारा था। यहां से 1 हजार किलो मिलावटी घी बरामद किया था। यह घी जयपुर शहर और उसके आसपास के ग्रामीण एरिया में सप्लाई किया जाता है। फैक्ट्री में जांच के दौरान सरस, लोटस, महान और कृष्णा ब्रांड के पैकिंग कार्टन भी मिले थे। इन ब्रांड के बार कोड तक नकली थे।

नगर निगम अपनाएगा नवाचार

महिलाओं में जगाएंगे आत्मविश्वास, देंगे आत्मरक्षा की ट्रेनिंग

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम ग्रेटर महिलाओं और बालिकाओं को मानसिक, सामाजिक, शारीरिक रूप से मजबूत करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए नवाचार करने जा रहा है। इसके तहत महिलाओं में आत्मविश्वास भरने के साथ ही उन्हें आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि विपरीत परिस्थितयों में खुद की रक्षा कर सके।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इसके लिए बुधवार को महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे विभिन्न विषय-विशेषज्ञों के साथ बैठक कर कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा की। बैठक में 30 से भी अधिक विषय-विशेषज्ञ मौजूद रहे, जिन्होंने महिला सशक्तिकरण की कार्ययोजना के संबंध में अपने-अपने सुझाव दिए। महिला एवं बाल विकास समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा, सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष दुर्गेश नन्दनी सहित विषय-विशेषज्ञ एडवोकेट, मनोवैज्ञानिक, जूडो कराटे एक्सपर्ट मौजूद रहे। महापौर ने इस अवसर पर शक्ति वंदन 2.0 के पोस्टर का भी विमोचन किया। इसकी थीम अन्याय का संहार करो, शक्ति तुम ललकार करो रहेगी। महापौर ने कहा कि वर्तमान में सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए अहम कदम उठा रही है इसी क्रम में नगर निगम द्वारा जोन एवं वार्डवार टीमों का गठन कर महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में सशक्त किया जाएगा उनके आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही आपात स्थिति में किस प्रकार से महिला अपना बचाव कर सकती है इस संबंध में भी जागरूक किया जाएगा।

विहिप के स्थापना दिवस पर बोले राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष...

सनातन और संस्कृति को खतरा

बेधड़क | जयपुर

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति को बचाना जरूरी है। वर्तमान समय में देश की एकता अखंडता पर खतरा बना हुआ है। अमितोष विश्व हिंदू परिषद के षष्ठी पूर्ति वर्ष और स्थापना दिवस पर सांगानेर श्योपुर के विद्यासागर स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। अमितोष ने कहा कि विशेष कर हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं जिहादियों द्वारा मां बहनों की अस्मत को लूटा जा रहा है। मंदिरों को तोड़ा व लूटा जा रहा है, ऐसे में हिंदू समाज को एक होकर जागरूक होना ही पड़ेगा।

विहिप सांगानेर जिला मंत्री विष्णु शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बालक-बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में विहिप सांगानेर जिला अध्यक्ष रमेश शर्मा, उपाध्यक्ष बबीता शर्मा, जिला मंत्री विष्णु शर्मा, देवकीनंदन शर्मा, सार्थक सैन,धीरज, सरिता चौधरी, विष्णु शर्मा, सीके शर्मा, कपिल लाटा, रामरतन साहु, वृद्धि चंद्र शर्मा, जगदीश पटेल, मोतीलाल मीणा, एमके शर्मा उपस्थित रहे।

नगर निगम ग्रेटर की टीम ने झोटवाड़ा जोन में की बड़ी कार्रवाई

मीट की 5 दुकानें तोड़ी, 12 का चालान

बेधड़क | जयपुर

अवैध मीट और मांस की दुकानों के खिलाफ नगर निगम ग्रेटर की टीम ने बुधवार को झोटवाड़ा जोन में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान लाडपुरा, गिरधारीपुरा और बजरी मंडी इलाके में पांच अवैध मीट की दुकानों को जेसीबी से तोड़ दिया।

कार्रवाई में निगम की टीम ने 100 किलो मीट नष्ट करवाया। इसके साथ ही 201 जिंदा मुर्गे जब्त कर 24 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला। इसके अलावा निगम ने 12 दुकानों मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान भी काटे।

नगर निगम पशु प्रबंधन टीम के डॉक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि अवैध मीट की दुकानों के खिलाफ नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को झोटवाड़ा जोन में पशु प्रबंधन शाखा ने अपनी कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान हमारी टीम ने लाडपुरा, गिरधारीपुरा और बजरी मंडी झोटवाड़ा में अवैध रूप से संचालित हो रही मीट और मांस की पांच दुकानों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। जहां से 201 जिंदा मुर्गों को जब्त करने के साथ ही 100 किलो से ज्यादा कच्चा अवैध मीट जब्त कर नष्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इन दुकानदारों को अवैध रूप से मीट और मांस नहीं बेचने का नोटिस जारी किया जा चुका है। बावजूद इसके यह नियमों की अवहेलना कर खराब और पुराना मीट बेच रहे थे।

इसकी शिकायत आम जनता द्वारा किए जाने पर बुधवार को निगम टीम ने कार्रवाई की। अब नगर निगम की टीम हर दिन अलग-अलग जोन में इस तरह की कार्रवाई करेगी।

सेवा सप्ताह: गृह राज्य मंत्री और हेरिटेज महापौर ने किया हिंगोनिया गोशाला का दौरा

गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर लिया गोमाता का आशीर्वाद

बेधड़क | जयपुर

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम और हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ने बुधवार को हिंगोनिया गोशाला का दौरा किया। इस दौरान दोनों ने गायों को हरा चारा व गुड़ खिलाकर गोमाता का आशीर्वाद लिया। गृह राज्य मंत्री और मेयर ने इस दौरान राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ की ओर से गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया।

बेढ़म और मेयर ने कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी कार्यकर्ताओं के साथ हिंगोनिया गोशाला में श्री धेनु गोपाल मंदिर में पूजा अर्चना के साथ शिवलिंग का पंचगव्य एवं पंचामृत अभिषेक किया। पूजा अर्चना पश्चात, गोमाता को गुड़ एवं हरा चारा खिलाया। गोशाला में बछड़ों को दुग्ध पान भी करवाया गया। प्रशिक्षु मल्ल क्रीड़ा खिलाड़ियों को भी गृह राज्य मंत्री ने नकद राशि देकर पुरस्कृत किया। गौशाला प्रांगण के बाहर गृह राज्य मंत्री एवं कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया जिसमें पंचवटी के वृक्ष एवं नीम के वृक्ष थे।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जयपुर नगर महापौर मुनेश गुर्जर, राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा, अखंड भारत गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवनारायण गुर्जर, राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गुर्जर, कोषाध्यक्ष मोहन गुर्जर, सचिव अविनाश गुर्जर, जयपुर शहर अध्यक्ष मुकेश पोसवाल, नगर निगम हेरिटेज के पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा सहित महासभा के सेकडों कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवा प्रकोष्ठ का सेवा प्रकल्प सही मायने में समाज सेवा

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री ने कहा कि राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ की ओर से सेवा सप्ताह के माध्यम से पूरे प्रदेश के नागरिकों को गोपालन, गो सेवा, प्रकृति संरक्षण, वृक्षारोपण, दिव्यांगों की सेवा, चिकित्सालय में अस्वस्थ व्यक्तियों की सेवा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने का कार्य सराहनीय है। महासभा द्वारा यह सेवा प्रकल्प शुरू किया जाना यथार्थ में समाज की सेवा है। वे इस कार्य के लिए राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गौरव गुर्जर, जयपुर नगर महापौर मुनेश गुर्जर, राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा, अखंड भारत गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर देवनारायण सहित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूं। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम महापौर मुनेश गुर्जर और डॉक्टर देवनारायण गुर्जर ने भी संबोधित किया। राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष गौरव गुर्जर ने बताया कि महासभा द्वारा सभी जिलों में सेवा सप्ताह के अंतर्गत युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में विभिन्न समाज सेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जरूरी खबर

रतन टाटा को किया अणुव्रत पुरस्कार भेंट

बीकानेर। अणुव्रत विश्व भारती द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित अणुव्रत पुरस्कार वर्ष 2023 के लिए प्रसिद्ध उद्योगपति व समाज सेवी रतन टाटा को मुंबई स्थित उनके आवास पर भेंट किया गया। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के अध्यक्ष अविनाश नाहर के साथ वहां पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने रतन टाटा को पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र सहित 1.51 लाख की राशि भेंट की। इस अवसर पर अणुविभा के महामंत्री भीखम सुराणा, मुंबई कस्टम कमिश्नर अशोक कुमार कोठारी, अणुविभा उपाध्यक्ष विनोद कुमारी व सहमंत्री मनोज सिंघवी उपस्थित थे।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निकला डंपर चोर गैंग का सरगना

जोधपुर। शहर के सूरसागर चौपड़ से 21 अगस्त को चोरी हुए एक डंपर का पुलिस ने ढूंढ निकाला है। पुलिस ने इसके पीछे पूरे एक गैंग का खुलासा किया है। इस गैंग के दो आरोपियों को बाड़मेर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चोरों की निशानदेही पर डंपर को जब्त किया गया है। इस गैंग का सरगना बाड़मेर कॉलेज में 2018 में छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चूका है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि 21 अगस्त को फिलाबेरा बाईपास रोड सूरसागर निवासी हेमंत सांखला ने डंपर चोरी की रिपोर्ट दी थी। इस पर थानाधिकारी मांगीलाल विश्नोई के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने करीब 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया।

अलवर में भर्तृहरि मेला 9 से, कलेक्टर ने लिया जायजा

अलवर। जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बुधवार को बाबा भर्तृहरि धाम पहुंचकर 9 से 11 सितंबर तक लगने वाले मेले की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने मेला स्थल का निरीक्षण कर मेला कमेटी एवं मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों से मेले के सफल आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय रखते हुए मेले की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेवे ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

धौलपुर में अच्छी बरसात से पार्वती सहित अन्य बांध और तालाब हो चुके हैं लबालब

चंबल नदी का जलस्तर फिर पहुंचा खतरे के निशान के करीब

बेधड़क | धौलपुर

देश और प्रदेश के साथ-साथ सावन के महीने में धौलपुर में भी मेघ मेहरबान रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि अभी तक धौलपुर में औसत से अधिक बरसात हो चुकी है।

प्रदेश के हाड़ौती अंचल में हुई अच्छी बरसात के बाद में ज्यादा पानी की आवक होने से चंबल नदी का जलस्तर खतरे के निशान के नजदीक पहुंच चुका है। इसके साथ ही जिले में हो रही बरसात से पार्वती सहित अन्य बांध और तालाब लबालब हो चुके हैं। करौली जिले तथा धौलपुर के डांग इलाके में बरसात के बाद में पार्वती बांध में पानी की लगातार आवक हो रही है, जिसके बाद में बांध के गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। मध्यप्रदेश एवं प्रदेश के हाड़ौती समेत अन्य इलाकों में बरसात होने के कारण चंबल नदी में पानी की आवक हो रही है। इसके चलते धौलपुर में चंबल नदी का जलस्तर खतरे के निशान के नजदीक बना हुआ है।

जलस्तर पहुंचा 128.70 मीटर

सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सुरेश मीना ने बताया कि बुधवार शाम को 4 बजे चंबल नदी का जलस्तर 128.70 मीटर रिकॉर्ड किया गया। चंबल नदी का वार्निंग लेवल 129.79 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 130.79 मीटर है। करीब एक पखवाड़े पूर्व चंबल नदी का जलस्तर 130 मीटर तक जा पहुंचा था। चंबल में पानी की आवक को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा चंबल नदी के जलस्तर पर करीबी नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही करौली जिले में हुई तेज बरसात के बाद में डांग इलाके में पानी की आवक होने के चलते चार दिन पूर्व पार्वती बांध के गेट खोलने पड़े। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पार्वती बांध की कुल भराव क्षमता 223.41 मीटर है। पार्वती बांध में जलस्तर के 223.40 मीटर होने के बाद में बांध के दस गेट खोले गए थे। बुधवार को भी पार्वती बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सुरेश कुमार मीना ने बताया कि धौलपुर जिले में बरसात का औसत 600 मिलीमीटर है। जबकि इसके विपरीत आज तक 764 मिमी से अधिक बरसात हो चुकी है।

जिला कलेक्टर ने किया जलभराव वाले इलाकों का दौरा

जिले में जारी भारी बरसात के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने शहर के प्रभावित जल भराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सैंपऊ रोड़, जगदीश तिराहा एवं बाड़ी रोड पर स्थित दुकानों एवं बाजार के जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा नगर परिषद को जल निकासी के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने आमजन से सुरक्षा की दृष्टि से नदी, बांध तथा अन्य जल स्रोतों के नजदीक नहीं जाने की अपील की है। कलेक्टर ने बताया कि बाढ तथा संभावित अतिवृष्टि के चलते जन सुरक्षा के लिए आमजन जल स्रोतों से दूर रहें। धौलपुर में बरसात तथा करौली जिले से डांग इलाके में पानी की आवक होने के कारण नदियों के जलस्तर में बढोतरी हो रही है। इसके साथ ही जिले के उर्मिला सागर, हुसैन सागर, तालाबशाही एवं रामसागर बांध लबालब हो चुके हैं। पार्वती बांध के गेट खोले गए हैं।

बीमार मां को दिखाने के लिए जयपुर आ रहा था रिटायर्ड फौजी

कार पर चढ़ा सीमेंट से भरा ट्रेलर, दबने से चार की मौत

बेधड़क | सीकर

सीकर के रींगस में एनएच-52 पर एक ट्रेलर ने आगे चल रही कार को कुचल दिया। हादसे इतना भीषण था कि पीछे चल रहा ट्रेलर कार के ऊपर चढ़ गया था। इस कारण कार के परखच्चे उड़ गए और अंदर बैठे चार लोगों की दब जाने से दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में दबे लोगों को मुश्किल से बाहर निकाला। सभी को रींगस के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कार में सवार चारों लोग झुंझुनूं जिले के प्रतापपुरा के निवासी थे और जयपुर जा रहे थे। रींगस थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रतापपुरा के रहने वाले रिटायर्ड फौजी राजकुमार मीणा (45) मां संज्या देवी मीणा (60) को डॉक्टर को दिखाने जयपुर जा रहे थे।

कार में उनकी बेटी अर्चना मीणा (22) और भतीजा आजाद (40) भी था। ट्रेलर और कार दोनों जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रेलर कार को पीछे से टक्कर मारते हुए डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसा इतना भयंकरा कि ट्रेलर के नीचे आने से कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। कार में सवार चारों लोग अंदर फंस गए। क्रेन की मदद से ट्रेलर को हटाकर कार को निकाला गया।

पुलिस ने बताया कि मनवार होटल के नजदीक नेशनल हाइवे संख्या 52 पर दुर्घटना हुई। गाड़ी पूरी तरह से पिचक गई है। गाड़ी में सवार लोगों के शवों को निकालने में करीब आधे घंटे से भी ज्यादा का समय लग गया।

आजाद मीणा | राजकुमार मीणा | संज्या देवी | अर्चना मीणा

कार के परखच्चे उड़े, सीमेंट के कट्टे बिखरे

कार का बॉडी पूरी तरह से पिचक गई थी। घायलों को निकालने के लिए कार के कुछ हिस्सों को काटना पड़ा। दुर्घटना के काफी समय क्षतिग्रस्त कार ट्रेलर के नीचे ही फंसी रही। बाद में क्रेन की सहायता से ट्रेलर को हटाकर कार को निकाला गया। कार में फंसे सभी सवार चारों की मौके पर मौत हो गई। ट्रेलर हाईवे के बीचोबीच पलट गया और सीमेंट कट्टे बिखर गया। इस कारण यातायात भी बाधित रहा।

कार के आगे अचानक आ गया था मवेशी

यह दर्दनाक भीषण हादसा सोमवार सुबह उस समय हुआ जब झुंझुनूं जिले के प्रतापपुरा गांव से कुछ लोगों एक महिला को अस्पताल में दिखाने राजधानी जयपुर जा रहे थे। रास्ते में रींगस में मनवार होटल के सामने निकलते सीकर-जयपुर मार्ग पर अचानक जानवर आ जाने से कार को ब्रेक लगाए, उसके पीछे चलते बाइक सवार कार से जा भिड़ा और इनके पीछे चलते सीमेंट से भरे ट्रक ट्रोले ने कार और बाइक को अपने चपेट में ले लिया। गति इतनी तेज रही कि सीमेंट से भरा ट्रक कार पर जा चढ़ा और कार बूरी तरह पिचक गई।

दो बाइक टकराई, बेटे की मौत, पिता घायल

झालावाड़। जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर मैठुन टोल के निकट दो बाइकों में बुधवार को आमने सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर घायलों को अकलेरा चिकित्सालय से प्राथमिक उपचार के बाद झालावाड़ के जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। वहां घायलों का इलाज जारी है। अकलेरा थाना प्रभारी सहदेव मीणा ने बताया कि कस्बे के पोली गांव निवासी नरेंद्र मीणा टोल के निकट लहसुन फैक्ट्री में काम करता था। वह बाइक से अकलेरा शहर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक की उसकी बाइक से भिड़ंत हो गई। हादसे में नरेंद्र मीणा और हरीश चारण की मौत हो गई, जबकि हरीश चारण के पिता पर्वत सिंह तथा एक अन्य रिश्तेदार गोपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

विरोध के बाद भी प्रस्ताव पारित

पूर्व विधायक को अलॉट की करोड़ों रुपए की जमीन

बेधड़क | श्रीगंगानगर

जिले की सूरतगढ़ नगरपालिका की साधारण सभा की बैठक बुधवार को हंगामे के बीच संपन्न हुई। बैठक में भाजपा के पूर्व विधायक राम प्रताप कासनिया को एनएच-62 से सटी बेशकीमती जमीन अलॉट किए जाने का कांग्रेस के सदस्यों ने विरोध किया, लेकिन विरोध के बाद भी भाजपा विधायक को जमीन अलॉट करने का प्रस्ताव पारित हो गया।

बैठक में हंगामे की आशंका को देखते हुए पालिका परिसर में पुलिस की सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया था। बैठक के दौरान विधायक डूंगरराम गेदर और कांग्रेस पार्षदों ने पूर्व विधायक को करोड़ों की बेशकीमती भूमि अलॉट करने पर नाराजगी जताई, लेकिन इसके बाद भी यह प्रस्ताव पारित हो गया। विधायक डूंगरराम गेदर ने बताया कि एजेंडा संख्या- 7 के तहत सूरतगढ़ की बेशकीमती जमीन को पूर्व विधायक को अलॉट किया तो कांग्रेस इसका कड़ा विरोध करेगी।

कांग्रेस पार्षदों ने प्रस्ताव के पक्ष में दिया वोट

कांग्रेस ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए दो दिन पहले प्रेस वार्ता का आयोजन किया था। पार्टी ने अपने पार्षदों को व्हिप जारी कर वोटिंग के दौरान विरोध करने के निर्देश दिए थे, इसके बावजूद बैठक में उपस्थित 27 पार्षदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट देकर इसे पास कर दिया। हंगामे के बीच विधायक डूंगरराम गेदर ने वॉकआउट कर दिया। विधायक ने कहा कि पार्टी के खिलाफ जाने वाले पार्षदों की रिपोर्ट बनाकर प्रदेश कांग्रेस को भेजी जाएगी।

नूंह पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

पंचायत चुनाव के लिए राजस्थान में बांटी गईं 500 फर्जी मार्कशीट

राजस्थान पुलिस ने घोषित कर रखा था 25000 रुपए इनाम

नूंह। राजस्थान में कथित तौर पर फर्जी मार्कशीट तैयार करने वाले आरोपी को हरियाणा के नूंह जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी का नाम मोहम्मद यूसुफ है, जो 52 मामलों में वांछित था। राजस्थान पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले पर 25000 रुपए का इनाम रखा था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी यूसुफ ने 8वीं कक्षा की लगभग 500 फर्जी मार्कशीट तैयार की थीं और उन्हें राजस्थान में पंचायत चुनावों और अन्य उद्देश्यों के लिए लोगों के बीच वितरित किया था। यूसुफ मूल रूप से नूंह जिले के उमरा गांव का निवासी है. मगर उसे खेड़ला गांव से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से अवैध देसी पिस्तौल और एक कारतूस जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि नूंह के सिटी पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस उपाधीक्षक (नूंह) अजायब सिंह ने कहा कि यूसुफ के खिलाफ राजस्थान में फर्जी मार्कशीट तैयार करने के आरोप में 52 मामले दर्ज किए गए। आरोपी को सभी 52 मामलों में भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। राजस्थान पुलिस ने जैसलमेर, नोहर, हनुमानगढ़ और बाड़मेर के सेड़वा थाने में दर्ज चार अलग-अलग मामलों में आरोपियों पर इनाम रखा था। आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने लगभग 500 फर्जी कक्षा-8 मार्कशीट तैयार की और उन्हें राजस्थान में पंचायत चुनावों और अन्य उद्देश्यों के लिए लोगों को दिया।

गुजरात और राजस्थान के राज्यपाल करेंगे शिरकत

प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

बेधड़क | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 29 और 30 अगस्त को प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बुधवार को कृषि विश्वविद्यालय के आईएबीएम सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत शामिल होंगे।

इनके अलावा केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवी सिंह भाटी, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ. ए.के.गहलोत भी शिरकत करेंगे। इनके अलावा देशभर के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता और किसान संगोष्ठी में शामिल होंगे।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि राज्यपाल स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित स्टबल चॉपर कम स्प्रेडर का लोकार्पण भी करेंगे। यह मशीन उत्तर भारत में पराली जलाने की समस्या से छुटकारा दिलाने में सहायक सिद्ध होगी, जिसे अत्यंत कम लागत में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया गया है।

जल्द ही इसका व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया जाएगा। संगोष्ठी के आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की विधियों के प्रति जागरूक करना और इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा विषय विशेष पर प्रस्तुति दी जाएगी और प्राकृतिक खेती में सफल किसानों के अनुभव भी साझा किए जाएंगे।

1 सितंबर से शुरू हो रहे राष्ट्रीय पोषण माह 2024 की तैयारी बैठक में कहा...

जन आंदोलन बनकर उभरे राष्ट्रीय पोषण माह: ICDS निदेशक

बेधड़क | जयपुर

आगामी 1 सितंबर से राष्ट्रीय पोषण माह की शुरूआत होने जा रही है। इसके इसको लेकर आईसीडीएस निदेशालय में "राष्ट्रीय पोषण माह-2024" के सम्बन्ध में निदेशक ओपी बुनकर की अध्यक्षता में बुधवार को वीसी के माध्यम से जिला उपनिदेशकों एवं सीडीपीओ की उपस्थिति में तैयारी बैठक ली गई। बैठक में बुनकर ने बताया कि 1 सितंबर से प्रदेश में "राष्ट्रीय पोषण माह 2024" का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भारत सरकार द्वारा दी गई थीम्स आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने के लक्ष्य से आयोजित होने वाले इस अभियान में एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी (PBPB), बेहतर शासन के लिए तकनीकी उपाय, पर्यावरण संरक्षण थीम्स हैं। राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का कैलेंडर तैयार किया गया है। जिसके अनुसार गतिविधियों को आयोजित किया जाएगा।

ओ पी बुनकर ने जिला उपनिदेशकों एवं सीडीपीओ को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा वर्कर, महिला पर्यवेक्षक, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अन्य सभी सहयोगी विभागों के समन्वय से "राष्ट्रीय पोषण माह 2024" की गतिविधियों का कैलेंडर के अनुसार आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि

प्रतिदिन होगी अभियान की मॉनिटरिंग

ओ पी बुनकर ने कहा कि प्रतिदिन अभियान की मॉनिटरिंग की जाएगी। अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों की डेटा एंट्री ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर प्रतिदिन डेशबोर्ड किया जाना सुनिश्चित हो। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक चाँदमल वर्मा, संयुक्त परियोजना समन्वयक मेघा सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अभियान को उत्साह पूर्वक मनाया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि यह अभियान एक जन आंदोलन के रूप में उभरकर आए।

पर्यावरण संरक्षण थीम के तहत होगा कार्यक्रम

निदेशक ओपी बुनकर ने बताया कि अभियान की शुरुआत में पर्यावरण संरक्षण थीम के तहत 31 अगस्त को "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत सुबह 10 से 11.30 बजे तक कार्यक्रम होगा। इसमें दोपहर 12 बजे कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एनआईसी वेबकास्ट के जरिए संबोधित करेंगी। जिसमें सभी फील्ड फंक्शनरी (राज्य से लेकर गांव स्तर तक) भाग लेंगे।

Yuva स्टोरीज

भवानी निकेतन में फॉर्मेसी कॉलेज का लोकार्पण

बेधड़क | जयपुर

सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने किया। इस अवसर पर शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह नांगल ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि फॉर्मेसी कॉलेज के रूप में संस्था में 13वीं संस्था का शुभारम्भ किया जा रहा है, जो हम सब के लिए गौरव का विषय है। इससे विद्यार्थियों को एक ही परिसर में अपनी रूचि अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी। समारोह में गुलाब सिंह मेड़तिया, सचिव शिक्षा समिति ने पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री ने कहा कि संस्था को मैं पिछले 40 वर्षों से जानता हूँ, संस्था निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

अन्त में राजेन्द्र सिंह जेरठी, संयुक्त सचिव ने पधारे हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में भवानी निकेतन शिक्षा समिति पदाधिकारियों के साथ-साथ, राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, स्थानीय पार्षद, समाज के गणमान्य नागरिक व संस्था के छात्र/छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्ट्रेंथलिफ्टिंग में अर्चना ने जीता स्वर्ण और रजत पदक

जयपुर। कजाकिस्तान में आयोजित 11वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथलिफ्टिंग एंड इंकलाईन बैंच प्रेस चैंपियनशिप 2024 में सीकर जिले के एक गांव रायपुरा की रहने वाली अन्तरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी अर्चना पुत्री बंशीलाल ने भारतीय स्ट्रेंथलिफ्टिंग फेडरेशन की ओर से हिस्सा लिया है।

गत 15 और 19 जुलाई को हुई इस प्रतियोगिता में अर्चना ने 80 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक और इंकलाईन बैंच प्रेस में रजत पदक हासिल करते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। पदक जीतने के बाद खिलाड़ी अर्चना ने परिजनों के साथ पशुपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत और महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार से मुलाकात कर पदक और सर्टिफिकेट दिखाए और आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि अर्चना गरीब परिवार से आती है और अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखती है। बावजूद इसके खेल में रूचित की बदौलत इस मुकाम पर पहुंची है।

इस बीच अर्चना ने खेल मंत्री को पत्र लिखकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी को दी जाने वाली 25 बीघा सिंचित भूमि, अंतरराष्ट्रीय स्तर की एकेडमी में शिक्षण-प्रशिक्षण और विशेष छात्रवृत्ति की सुविधा, राजकीय सेवा में नियुक्ति के अलावा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को मिलने वाले आर्थिक अनुदान दिलाने की मांग भी रखी है।

अच्छे पैकेज वाली नौकरियों की रहेगी भरमार

ग्रेजुएशन से पहले ये पांच स्किल्स बनाएगी कॅरिअर

■ पढ़ाई पूरी कर पेशेवर बनने के लिए स्किल्स जरूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

आज के टेक्नॉलोजी से भरे जमाने में सबके पास टेक्निकल स्किल्स होना जरूरी हो गई। यह किसी के करियर को आकार देने के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम हो गया है। ये फैसला अपनी पढ़ाई पूरी कर पेशेवर दुनिया में जाने की तैयारी कर स्टूडेंट्स के लिए खुद को खास स्किल्स से लैस करना उनके कॅरिअर को आगे ले जाने में अच्छी-खासी भूमिका निभा सकता है। सभी इंडस्ट्रीज में टेक्नोलॉजी की लगातार तरक्की के लिए जरूरी है कि नए ग्रेजुएट ना सिर्फ बुनियादी टूल्स को सीखने-समझने पर ध्यान दें, बल्कि खुद को टेक्नोलॉजी में जारी विकास / बदलाव के लिए भी लायक बनाएं। करियर विशेषज्ञ पंकज कुमार ने बताया कि 5 ऐसे जरूरी टेक्निकल स्किल्स हैं जो सभी छात्रों को अपनी ग्रेजुएशन पूरी करने से पहले हासिल कर लेने चाहिए।

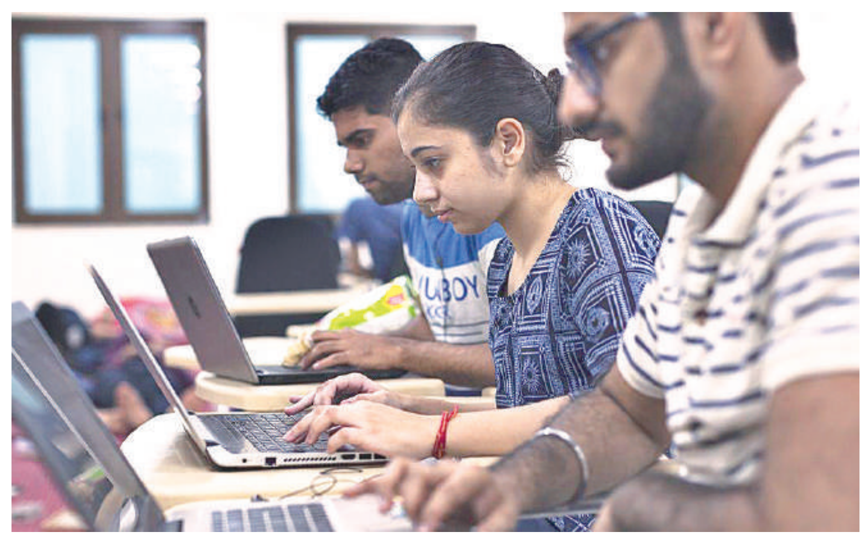

इन पांच स्किल्स की आजकल हर क्षेत्र में जरूरत

बेसिक कोडिंग

कोडिंग का बुनियादी ज्ञान स्टूडेंट्स को तार्किक रूप से सोचने, समस्याओं का समाधान करने और नई परिस्थितियों के हिसाब से ढलना सिखाता है। ये स्किल्स अलग-अलग नौकरियों के लिए ट्रांसफरेबल होते हैं यानी (वैसे स्किल्स जिनका इस्तेमाल अलग-अलग जॉब्स में किया जा सकता) हैं। यह मुश्किल कामों को छोटे-छोटे आसानी से पूरे किये जाने वाले हिस्सों में बांटकर प्रॉब्लम-सोल्विंग स्किल्स को बढ़ावा देता है। चूंकि टेक्नोलॉजी अब तक़रीबन हर इंडस्ट्री का हिस्सा बन गई है, इसलिए कोडिंग जानना जरूरी है क्योंकि इससे आपको खास स्किल्स हासिल होते हैं जिनका इस्तेमाल कई जगहों में किया जा सकता है।

डेटा साइंस

डेटा साइंस आज की इंडस्ट्रीज में सफलता की बुनियाद है, जो ज़रूरी इनसाइट्स निकालने और निर्णय लेने लायक नतीजे प्राप्त करने के लिए बड़ी मात्रा में डेटा इकठ्ठा करने और उसका विश्लेषण करने की क्षमता पर निर्भर करता है। इसमें डेटा सेट्स के भीतर पैटर्न्स, ट्रेंडस और कोरिलेशंस को उजागर करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों, टूल्स, प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज और एल्गोरिदम की एक रेंज शामिल है। इन तकनीकों का इस्तेमाल करके, स्टूडेंट्स सोच-समझकर निर्णय ले सकते हैं, प्रोसेस को ऑप्टिमाइज कर सकते हैं, और अलग-अलग क्षेत्रों में नए अविष्कार कर सकते हैं।

डिजाइन थिंकिंग

डिजाइन थिंकिंग का शुरूआती ज्ञान स्टूडेंट्स को सिस्टमैटिक प्रॉब्लम सोल्विंग एप्रोच के लिए ट्रेनिंग दे सकता है और उन्हें अलग-अलग तरीके से सोचने की क्षमता विकसित करने में मदद कर सकता है। इस स्किल का इस्तेमाल करके आसान चुनौतियों का समाधान करने से लेकर मौजूदा समय की मुश्किल चुनौतियों के समाधान के लिए अनूठे समाधान निकालने तक, ये एडवांस थिंकिंग मैकेनिज्म और टूल्स युवा दिमाग को उनके करियर और बिजनेस में सफल होने लायक बनाते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

एआई के साथ शुरूआती परिचय स्टूडेंट्स को यह समझने में मदद करता है कि वे रोजाना जिन टेक्नोलॉजीज़ का सामना करते हैं, उनके पीछे क्या 'कैसे' है। इससे उनका मुकाबला अनजाने डर से होता है और उन्हें अपने जीवन में एआई से जुड़े सोचे-समझे फैसले लेने की शक्ति देता है। इससे उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए जिम्मेदारी से एआई के विकास और इस्तेमाल की वकालत करने का अधिकार मिलता है। यह उन स्टूडेंट्स में STEM के क्षेत्रों (Science, Technology, Engineering, और Math) के प्रति भी जुनून पैदा कर सकता है। इससे छिपी हुई प्रतिभाएं उभरकर सामने आती है।

विदेशी भाषाओं का कोर्स

ग्रेजुएशन के दौरान हमारे पास इतना टाइम तो रहता ही है कि हम इसके साथ-साथ अलग से एक कोर्स के लिए कम से कम एक घंटा निकाल लें। आपको जानकर हैरानी होगी कि आज जिस तरह से रोजगार और व्यापार के लिए पूरी दुनिया के दरवाजे खुल रहे हैं, वैसे में ऐसे लोगों कि डिमांड ज्यादा है जिन्हें एक से ज्यादा भाषाएं आती हैं। अंग्रेजी के अलावा अगर आप कोई और विदेशी भाषा सीख लेते हैं, तो आप ग्रेजुएशन के बाद ही एक सरकारी नौकरी करने वाले से ज्यादा पैसा कमा सकते हैं।

कानोड़िया में बीबीए मीट और आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के कानोड़िया पीजी महिला कॉलेज के व्यावसायिक प्रशासन विभाग की ओर से बुधवार को बीबीए मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कॉलेज में छात्राओं को नियमित अध्ययन के लिए एवं अपने व्यक्तित्व के विकास के लिये प्रोत्साहित किया। कॉलेज सचिव विमल कुमार भाटिया ने छात्राओं को ध्यान का महत्व समझाया। मीट के अन्तर्गत बीबीए के विभिन्न मंटोरिंग समूहों का परिचय दिया गया।

बीबीए अंतिम वर्ष की छात्राओं ने नृत्य-नाटिका द्वारा कॉलेज की आचार संहिता को प्रस्तुत किया। मीट में 150 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बीबीए द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में बीबीए चीफ कोर्डिनेटर डॉ. सरला शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी तरह कॉलेज के अभिव्यक्ति क्लब के अंतर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता भी हुई। इसका विषय था 'आज यदि कृष्ण होते...।'

कॉलेज की विभिन्न संकायों से छात्राओं ने वर्तमान समय में कृष्ण और उनके विचारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रकट किए। इस प्रतियोगिता की निर्णायक उप-प्राचार्य डॉ. सुनीता माथुर ने कृष्ण के व्यक्तिव के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में छात्रा डेस्टिनी गाँधी प्रथम, तेजस्वी सहारिया द्वितीय और तृप्ति जूनीवाल तृतीय स्थान पर रहीं। प्राध्यापिका प्रियंका अग्रवाल ने मंच संचालन किया। इस आयोजन में क्लब सदस्य निशा सैनी, डॉ. प्रेरणा सिंह लवानिया, डॉ. मंजरी भारद्वाज और डॉ. सुरभि शर्मा का सक्रिय सहयोग रहा।

जेजेपीएल प्रीमियम लीग के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर। जैन युवा मंच की ओर से आयोजित की जाने वाली जनकपुरी - ज्योतिनगर प्रीमियम लीग (जे जे पी एल) 2024 के पोस्टर का विमोचन बुधवार को तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के अर्घ्य बोलते हुए समर्पित कर किया गया । मंच के अध्यक्ष अमित शाह ने बताया कि ARL - JJPL लीग के मेच इस शनिवार व रविवार को होंगे । कार्यक्रम में पंद्रह टीम के एक सो बीस से अधिक सदस्यों की सहभागिता रहेगी । इस समय मंत्री प्रतीक़ जैन उपाध्यक्ष नीरज जैन सहित प्रबंध समिति के पदाधिकारी व समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्घाटन शनिवार को शाम चार बजे होगा। कार्यक्रम मन्दिर जी के पास ख़ाली ज़मीन पर बहुत ही व्यवस्थित तरीक़े से आयोजित किया जाएगा।

कार्यशाला निर्वाण विवि में "इफेक्टिव यूज ऑफ जे-गेट नेक्स्ट" विषय पर कार्यशाला

जे-गेट प्लेटफार्म शोध को नई दिशा में देने में सहायक

बेधड़क | जयपुर

राजधानी की निर्वाण विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी "ज्ञान धारा" और आईक्यूएसी के सयुंक्त तत्वावधान में "इफेक्टिव युज़ ऑफ जे-गेट नेक्स्ट" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता इंफोर्मेटिक्स पब्लिशिंग लिमिटेड के अजय सहाय रहे।

इस दौरान सहाय ने जे-गेट 3.0 के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, जो की एक अत्याधुनिक शोध प्लेटफार्म है। इस पर शोधकर्ता विभिन्न शोध पत्रिका, जरनल और लेख आसानी से सर्च कर सकते हैं और साथ ही फ्री एक्सेस भी कर सकते हैं। इस जे-गेट 3.0 पर शोधार्थी अपना प्रोफ़ाइल बना सकते हैं। साथ ही इसके एडवांस फिचरस की भी जानकारी इस कार्यशाला में दी गई। निर्वाण विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग ने इस अवसर पर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल उपकरणों के युग में हमारे शोधार्थियों के लिए अत्याधुनिक संसाधनों का उपयोग करना अत्यावश्यक हो गया है। जे-गेट जैसे प्लेटफार्म शोध को एक नई दिशा प्रदान करने में सहायक साबित हो सकते हैं। शोधार्थियों के लिए विशेष रूप से यह कार्यशाला आयोजित कि गयी है।

ई-रिसोर्सेज और डिजिटल सुविधाओं का ले सकेंगे लाभ

वाइस चेयरमैन डॉ. आर. के. अरोड़ा ने कहा कि जे-गेट नेक्स्ट हमारे छात्रों, शोधार्थियों और फैकल्टी के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण है। इस प्लेटफार्म के माध्यम से शोधार्थी न केवल अपने विषय में गहरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि नए विचारों और दृष्टिकोणों के साथ अपने शोध को और समृद्ध बना सकते हैं। निर्वाण विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी ज्ञान धारा की हैड लाइब्रेरियन, डॉ. रीना आनंद ने जानकारी दी कि जे-गेट नैक्सट एक एडवांस प्लेटफार्म है जिसके माध्यम से ई-रिसोर्सेज और डिजिटल सुविधाओं का लाभ लिया जा सकता है, हमारे शोधकर्ता नवीनतम और उच्च गुणवत्ता वाली जानकारी तक पहुंच सकते हैं। इस कार्यशाला के द्वारा जे-गेट नैक्सट की एडवांस तकनीकों का उपयोग करने की विधियाँ सिखाई गई हैं, जिससे शोध की गुणवत्ता बढ़ेगी।

अंतरिक्ष मलबे का उचित प्रबंधन आज की आवश्यकता!

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र लेखक

बढ़ती प्रौद्योगिकी, उन्नत संचार व्यवस्था, विज्ञान और विकास के इस युग में अंतरिक्ष में उपग्रहों के लगातार स्थापित होने से अंतरिक्ष में मलबे में लगातार वृद्धि हो रही है। हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने इस पर अपनी गहन चिंता व्यक्त की है, जैसा कि अंतरिक्ष में घूम रहा यह मलबा न केवल उपग्रहों की कक्षा में बल्कि हमारे वातावरण के लिए भी बहुत खतरनाक हो सकते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा पूरी तरह से नष्ट हुए बिना हमारे वायुमंडल में प्रवेश कर जाए तो यह पृथ्वी को(यहां पर उपस्थित जीवों, प्राणियों, वनस्पतियों तक को) भारी क्षति पहुँचा सकता है। एक जानकारी के अनुसार अंतरिक्ष मलबा 17,500 मील प्रति घंटे की गति से यात्रा करता है और 1 सेमी से बड़े मलबे की वस्तुओं की आबादी लगभग 1 मिलियन है। हालांकि, यह भी एक तथ्य है कि पृथ्वी के घने वायुमंडल से पुनः प्रवेश के दौरान होने वाली भीषण गर्मी के कारण मलबे की एक बड़ी मात्रा जल जाती है, लेकिन जो अवशेष बच जाते हैं, वे महासागरों और दुनिया के अन्य कम आबादी वाले क्षेत्रों में गिर जाते हैं, लेकिन अंतरिक्ष मलबे का खतरा तब भी कहीं न कहीं बरबकार रहता है।

दरअसल, हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू भारत के चंद्रयान-3 के चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में उतरने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह को संबोधित करते हुए अंतरिक्ष मलबे पर चिंता जताई है। दरअसल, आज विभिन्न देशों द्वारा अनेकानेक अंतरिक्ष अभियान लांच किए जा रहे हैं, जैसा कि विकसित और विकासशील देशों में अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने समझने की एक बड़ी होड़ लगी है। आज अंतरिक्ष में मलबे के अनेक टुकड़े घूम रहे हैं और कहना ग़लत नहीं होगा कि अंतरिक्ष में अत्यधिक तीव्र गति से घूमने वाले ये टुकड़े अन्य अंतरिक्ष संपत्तियों और

> *“मानव द्वारा पृथ्वी की कक्षा में भेजे गए उपग्रह निष्क्रिय स्थिति में छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित होकर पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाते रहते हैं। नासा के अनुसार, निम्न पृथ्वी कक्षा में 15,700 मील प्रति घंटे की गति से 27,000 से अधिक मलबे के टुकड़े चक्कर लगा रहे हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मुक्त अवस्था में अंतरिक्ष मलबा परिचालन एवं संचार उपग्रहों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है। यहां तक कि इसके टकराने से उपग्रह निष्क्रिय हो सकते हैं।”*

कार्यात्मक उपग्रहों के लिए खतरा माने जाते हैं। ऐसा अनुमान है कि पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित पिंड 17,500 से 18,000 मील प्रति घंटे (7 से 8 किमी/सेकेंड) की गति से यात्रा करते हैं।लगभग 10 सेमी या उससे अधिक व्यास वाली वस्तुओं से होने वाला प्रभाव टीएनटी के विस्फोट के बराबर हो सकता है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष मलबे के 100 ट्रिलियन से ज़्यादा टुकड़े हैं, जिनका पता नहीं लगाया जा सका है।साइंस जर्नल में प्रकाशित ‘पृथ्वी की कक्षा की रक्षा करें: उच्च समुद्र की गलतियों से बचें’ शीर्षक वाले अध्ययन से यह चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। हालांकि, वर्ष 2030 तक भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों को मलबा मुक्त बनाने का लक्ष्य तय करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना भी की है, लेकिन अंतरिक्ष में बढ़ रहा मलबा कहीं न कहीं धरती के सभी जीवों, मनुष्यों के लिए एक खतरा बनकर उभर रहा है। आज अमेरिका, चीन, रूस और भारत समेत अनेक देशों का अंतरिक्ष मलबा अंतरिक्ष में तैर रहा है। यदि हम यहां केवल भारत की ही बात करें तो एक आंकड़े के अनुसार भारत के पास 103 सक्रिय या निष्क्रिय अंतरिक्ष यान एवं 114 अंतरिक्ष मलबे की वस्तुएं हैं।

इस प्रकार, भारत के कुल 217 अंतरिक्ष पिंड पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। अब यहां प्रश्न यह है कि आखिर अंतरिक्ष मलबा है क्या? तो इस संबंध में बताना चाहूंगा कि अंतरिक्ष मलबा, पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली उन कृत्रिम सामग्रियों को कहते है, जो वर्तमान में कार्यात्मक स्थिति (फंक्शनल स्टेटस) में नहीं हैं। इसे अंतरिक्ष कबाड़ या कक्षीय मलबा या स्पेस जंक भी कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि अधिकांश अंतरिक्ष मलबें निम्न पृथ्वी कक्षा में पाए जाते हैं। मानव द्वारा पृथ्वी की कक्षा में भेजे गए उपग्रह निष्क्रिय स्थिति में छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित होकर पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाते रहते हैं। नासा के अनुसार, निम्न पृथ्वी कक्षा में 15,700 मील प्रति घंटे की गति से 27,000 से अधिक मलबे के टुकड़े चक्कर लगा रहे हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मुक्त अवस्था में अंतरिक्ष मलबा परिचालन एवं संचार उपग्रहों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है। यहां तक कि इसके टकराने से उपग्रह निष्क्रिय हो सकते हैं। पाठकों को यह जानकारी हासिल करके आश्चर्य होगा कि छोटे से छोटे मलबे के टुकड़े (मिलीमीटर आकार के मलबे) से होने वाली टक्कर भी उपग्रहों को नष्ट कर सकती है। इसे ‘केसलर सिंड्रोम’ के रूप में जाना जाता है।

अंत में यही कहूंगा कि अंतरिक्ष मलबे के निर्माण को रोकने के लिए हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों यह सुनिश्चित करना होगा कि उपग्रहों को उनके पूरे जीवन चक्र में उनके प्रक्षेपण चरण से लेकर, जीवन के अंत तक जब वे सेवामुक्त हो जाते हैं, उन सभी का सावधानीपूर्वक प्रबंधन किया जाए। यह अच्छी बात है कि आजकल प्रक्षेपण प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक स्थायी रूप से प्रबंधित किया जा रहा है और इस दिशा में अनुसंधान,नए प्रयोग भी लगातार जारी हैं। भारत समेत विश्व के विकसित व विकासशील देश अंतरिक्ष कचरे के प्रबंधन की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं और आने वाले समय में इस दिशा में हम और भी बेहतर कर पाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खेल दिवस पर विशेष

श्रेष्ठता के शिखर की ओर छलांग!

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आज खेल दिवस है। आज भारत के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित मेजर ध्यानचंद जी का जन्मदिन है। खेल में उनके महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में उनके जन्मदिन को भारत में खेल दिवस के रुप में मनाया जाता है। मेजर ध्यानचंद विश्व हॉकी में शुमार महानतम खिलाड़ियों में से एक अद्भुत खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा व लगन से देश का मस्तक गौरान्वित किया। अच्छी बात है कि देश के खिलाड़ी उनसे प्रेरणा लेकर अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में संपन्न पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत ने छः पदक जीते हैं। इसमें एक रजत और पांच कांस्य पदक शामिल है। गत वर्ष संपन्न कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत अपने खिलाड़ियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन से गौरान्वित हो चुका है। तब भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पदकों की झड़ी लगाते हुए कुल 61 मेडल हासिल किए थे। इसमें 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। इस शानदार प्रदर्शन से भारत ने चौथा स्थान हासिल किया जिससे देश का मस्तक स्वाभिमान से दमक उठा। कॉमनवेल्थ गेम्स की तरह ही टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया।

> *“उचित होगा कि केंद्र व राज्य सरकारें खेलों में सुधार के लिए पटियाला में स्थापित खेल संस्थान की तरह देश के अन्य हिस्सों में भी इस तरह के संस्थान खोलें। ऐसा इसलिए कि उचित प्रशिक्षण के जरिए ही देश में खेलों का स्तर ऊंचा उठाया जा सकता है। यहां यह भी समझना होगा कि जब तक खेलों को रोजगार से नहीं जोड़ा जाएगा तब तक खेल प्रतिभागियों में स्पर्धा का वातावरण निर्मित नहीं होगा।”*

भारत के खाते में एक गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज समेत कुल सात पदक आए थे। पेरिस और टोक्यो दोनों ओलंपिक पर नजर दौड़ाएं तो नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सहरावत, विनेश फोगाट, मीराबाई चानू, रवि दहिया, पीवी सिंधु, लवनीना बोरगेहेन, बजरंग पुनिया समेत भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी अपना जलवा बिखेरते देखे गए। उम्मीद किया जाना चाहिए कि अब अगले कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक में भारत एक नया कीर्तिमान रचेगा। यह समझना होगा कि किसी भी राष्ट्र की प्रतिभा खेलों में उसकी उत्कृष्टता और हासिल होने वाले पदकों से जुड़ा होता है। अच्छा प्रदर्शन केवल पदक जीतने तक ही सीमित नहीं होता बल्कि राष्ट्र के स्वास्थ्य, मानसिक अवस्था एवं लक्ष्य के प्रति सतर्कता व जागरुकता को भी रेखांकित करता है। दो राय नहीं कि कॉमनवेल्थ और

पेरिस ओलंपिक में मिली उपलब्धियों ने देश को गौरान्वित किया है। लेकिन एक सच यह भी है कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश को इससे बड़ी उपलब्धि की दरकार है। ऐसा तभी संभव होगा जब देश में उत्कृष्ट खिलाड़ियों, अकादमियों और प्रशिक्षकों को बढ़ावा मिलेगा। एक आंकड़े के मुताबिक देश में सिर्फ पंद्रह प्रतिशत लोग ही खेलों में अभिरुचि रखते हैं। यह आंकड़ा निराश करने वाला है। विचार करें तो इसके लिए भारतीय समाज का नजरिया और सरकार की नीतियां दोनों जिम्मेदार हैं। समाज में यह धारणा है कि खेलकूद के जरिए नौकरी या रोजी-रोजगार हासिल नहीं किया जा सकता। इसलिए पढ़ाई पर ज्यादा जोर दिया जाना चाहिए। नतीजा सामने है। बच्चों में खेल के प्रति लगन और उत्सुकता में कमी है।

चिंता की बात यह भी कि सरकारें भी खेल के विकास का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के बजाए राष्ट्रीय खेल अकादमियों का अध्यक्ष व सदस्य कौन होगा उस पर ज्यादा फोकस करती देखी जाती हैं। भला ऐसे माहौल में खेल का विकास कैसे होगा? खेलों के विकास के लिए आवश्यक है कि सरकार की खेलनीति स्पष्ट व ईमानदार हो। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों व खेल अकादमियों में बुनियादी ढांचे के विकास की गति तेज हो। बेहतर होगा कि सरकारें स्कूल स्तर से ही खेल को बढ़ावा देने का मिशन चलाए। स्कूलों में बच्चों की प्रतिभा एवं विभिन्न खेलों में उनकी अभिरुचि को ध्यान में रखकर उन्हें विभिन्न किस्म के खेलों में समायोजित कर उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करे। ऐसा करने से उनकी प्रतिभा का सार्थक इस्तेमाल होगा और खेल को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन देखें तो स्कूलों में खेल के प्रति घोर उदासीनता है। इसका मूल कारण खेल संबंधी संसाधनों की भारी कमी और खेल से जुड़े योग्य शिक्षकों-प्रशिक्षकों का अभाव है। अगर प्राथमिक स्कूलों से इतर माध्यमिक विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की बात करें तो यहां भी स्थिति कमोवेश वैसी ही है।

यहां संसाधन तो हैं लेकिन इच्छाशक्ति और प्रशिक्षण के अभाव में खेलों के प्रति रुझान नहीं बढ़ रहा है। उचित होगा कि केंद्र व राज्य सरकारें खेलों में सुधार के लिए पटियाला में स्थापित खेल संस्थान की तरह देश के अन्य हिस्सों में भी इस तरह के संस्थान खोलें। ऐसा इसलिए कि उचित प्रशिक्षण के जरिए ही देश में खेलों का स्तर ऊंचा उठाया जा सकता है। यहां यह भी समझना होगा कि जब तक खेलों को रोजगार से नहीं जोड़ा जाएगा तब तक खेल प्रतिभागियों में स्पर्धा का वातावरण निर्मित नहीं होगा। अगर खेलों में नौजवानों को अपना भविष्य सुनिश्चित नजर नहीं आएगा तो स्वाभाविक है कि वे वे खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा नहीं लेंगे। खेलों में भविष्य सुरक्षित न होने के कारण ही नौजवानों में उदासीनता है और खेल के क्षेत्र में भारत फिसड्डी देशों में शामिल है। यहां यह भी ध्यान रखना होगा कि खेलों में खराब स्थिति के लिए एकमात्र सरकार की उदासीनता ही जिम्मेदार नहीं है। बल्कि खेल से विमुखता के लिए काफी हद तक समाज का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज भी देश में एक कहावत खूब प्रचलित है कि ‘पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे होगे खराब’। अब इस कहावत को बदलने की जरुरत है। अकसर देखा जाता है कि माता-पिता के माथे पर तब चिंता की लकीरें उभर आती हैं जब उनका बच्चा खेल में कुछ ज्यादा ही अभिरुचि दिखाने लगता है। तब उन्हें डर सताने लगता है कि कहीं उनका बच्चा खेल में अपनी उर्जा खर्च कर अपना भविष्य न चौपट कर ले। स्कूलों में भी गुरुजनों द्वारा अकसर बच्चों से कहते सुना जाता है कि दिन भर खेलोगे तो पढ़ोगे कब। इस तरह की प्रवृत्ति ठीक नहीं है। बच्चों को खेलने के लिए उत्साहित करना चाहिए। अगर सरकार की नीतियों में खेल से रोजगार का जुड़ाव हो तो फिर माता-पिता के मन में भी बच्चे के भविष्य को लेकर किसी तरह की आशंका-चिंता नहीं रहेगी। खेल के प्रति उत्साहजनक वातावरण निर्मित न होने के कारण ही आज देश अंतरराष्ट्रीय खेल पदकों की फेहरिस्त में निचले पायदान पर रहता है। हां, यह सही है कि अब पहले के मुकाबले कॉमनवेल्थ, ओलंपिक और एशियाड खेलों में भारत के खिलाड़ी उत्तम प्रदर्शन कर रहे हैं। वे पदक जीतकर देश का मान बढ़ा रहे हैं, लेकिन सच यह भी है कि आज की तारीख में देश में खेल का मतलब क्रिकेट तक सीमित रह गया है। अच्छी बात है कि भारत की मौजूदा सरकार इस दिशा में ठोस पहल कर रही है। खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है। उचित यह भी होगा कि केंद्र व राज्य सरकारें खेल के विकास के लिए ईमानदार और स्पष्ट नीति को लागू कर उसका क्रियान्वयन और अनुपालन कराएं। इन्हीं ठोस पहल के जरिए ही भारत विभिन्न खेल आयोजनों की पदक तालिकाओं में शीर्ष पर दिख सकेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

काश! वह परम अवसर कभी हमें भी मिलता...

आशीष सकलेचा
व्यंग्यकार

एक समय था जब फूफाओ की तुती बोलती थी। वो दिन को रात और रात को दिन कह देते थे तो भी मानना ही पड़ता था। उनकी मर्जी के बिना एक पत्ता तक नहीं हिलता था, लेकिन शनैः शनैः उनका वह जलवा समाप्त होने लगा क्योंकि अब पहले की तरह न तो उन धर्मशालाओं में कार्यक्रम होते न ही उस तरह का खाना होता है। बात- बात पर फूफाजी का मुंह फुलाने का उनका अपना एक अलग ही मजा रहता था। अब फूफाजी का रूठना भी अब महज एक मुहावरा बन कर रह गया है। न जाने कहा गए फूफाजी के वो दिन... हलवाई को पांच केशर की डिब्बी की बजाय तीन डिब्बी ही देना, अच्छे खासे रायते में जबरन पानी डलवाना, खोपरा पाक में जरूरत से ज्यादा शक्कर डलवाना, घर में भले अपनी मर्जी की सब्जी न बने पर ससुराल में जबरन अपनी मर्जी की सब्जी थोपना, हलवाई जहां रसोई बना रहा हो वहां दो- चार लोगों को बैठाकर ऊंची - ऊंची फेंकना (गप देना)। मतलब जहां पानी भी न हो वहां कीचड़ बताना आदि- आदि। पर एक बात तो है कुछ भी कहो फूफाजी के बिना कार्यक्रम अधूरा- अधूरा व सूना- सूना सा लगता है। आजकल के फूफाओं को तो फूफा होने की कुछ फीलिंग ही नहीं आती है, क्योंकि बीबी की तरेरी हुई आंखों से वे भांप जाते हैं। इसलिए बात को ज्यादा लम्बा नहीं खींचते हैं और शादी या अन्य जो भी कार्यक्रम हो उसकी मुख्य धारा में लौट आते हैं। बड़े नसीब वाले हैं उस जमाने के फूफाजी जिन्होंने वो परम सुख भोगा।

अब फूफाजी अपना राज हाथ से निकलता देख कुढ़ते जरूर हैं, पर किसी से कुछ कहते नहीं। बदलते परिवेश में ससुराल वाले भी बदल गए हैं, वे फूफाओं को इतनी तवज्जो नहीं देते हैं और नहीं उनको उतनी गंभीरता से लेते हैं, जितना पहले लेते थे। फूफाओं के हक छीने जाने से उनकी दर्द भरी पीड़ा (दास्तान) से आंखों से आंसू निकल आते हैं। खैर जो भी हो पर फूफा तो फूफा ही होते हैं। उसका सिर्फ एक ही उदाहरण देख लीजिए। लोमड़ी की तरह चतुर व मास्टर माइंड फूफाजी ने ससुराल में साले साहब के बेटे की शादी के मुख्य प्रतिभोज (आशीर्वाद समारोह) में फूफाजी ने यह बात फैला दी कि “मावा बाटी थोड़ी कम पड़ती दिख रही है” फिर क्या? सब मावा बाटी पर टूट पड़े जिसने कभी मावा बाटी नहीं खाई वो भी दो - तीन मावा बाटी खा गया। नव नवेले दामाद सहित घर के सब लोग फूफाजी को कोस रहे थे कि अगर वो सभी को यह नहीं बताते कि मावा बाटी कम पड़ रही है तो शायद इतनी मावा बाटी नहीं उठती। अब रात को और मावा बाटी कहा से लाए? वे सभी फूफाजी पर बरसने वाले ही थे कि इतने में फूफाजी मावा बाटी के छुपाए हुए तीन तपेले मुस्कराते हुए ले आए। फूफाजी को देख सब आश्चर्यचकित रह गए और पूछने लगे जब इतनी मावा बाटी और थी तो आपने यह बात सबके बीच में क्यों फैलाई की मावा बाटी कम है।

फूफाजी ने कहा- वैसे कम तो “रस मलाई” पड़ रही थी। यह सुनकर फिर सब हैरान! सबका एक ही सवाल जब कम रस मलाई पड़ रही थी तो आपने मावा बाटी कम होने की बात क्यों चलाई? फूफाजी ने कहा कि मैं ऐसा नहीं करता तो सबके सामने अपनी नाक कट जाती लोग चारों तरफ बातें करते कि फला - फला के यहां रस मलाई ही कम पड़ गई। फूफाजी की यह बात सुनकर सभी जोर- जोर से ठहाके लगाने लगे। भले कुछ भी हो जमाने के साथ फूफाजी के जलवे भले ही खत्म हो गए हैं, परंतु चतुर लोमड़ी जैसी खोपड़ी फूफाजी को विरासत में मिली हुई है। वह उनके साथ जीवन पर्यंत तक वरदान के रूप में रहेगी। फूफाजी के इस चालाक दिमाग की वजह से ही तो ससुराल वाले उनका इस्तेमाल तुरुप के इक्के के रूप में आज भी करते हैं। काश! हमें भी उन फूफाओं की तरह मुंह फुलाने का कभी परम अवसर मिलता...।

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
“प्रधानमंत्री जन-धन योजना” आज पूरे देश में एक क्रांति बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने समाज के भाई-बहनों को वित्तीय रूप से मजबूत करने की अभूतपूर्व पहल की है।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
जिस उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट था, आज वह देश का अग्रणी प्रदेश बन चुका है। विकास में कोई क्षेत्र पिछड़ नहीं पाएगा, विकास द्वार-द्वार तक पहुंचेगा। देश के विकास में बाधक तत्वों को आगे नहीं बढ़ने देना है।

हम्पी: देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के तौर पर है पहचान

अदभुत कलाकृति व पुरातात्विक अवशेषों का केंद्र

हम्पी कर्नाटक राज्य का एक छोटा शहर है जो अपने ऐतिहासिक मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। तुंगभंद्रा नदी के तट पर बसा यह शहर विजय नगर साम्राज्य के अवशेषों का साक्षी है। हम्पी का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है। यहां धार्मिकता व ऐतिहासिकता का संगम होता है। यहां का माहौल इतिहास जानने पर मजबूर करता है ताकि प्राचीनता से हमारी डोर बंधी रहे। यहां आकर किसी भी व्यक्ति के लिए विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर भक्ति में लीन होना बिल्कुल स्वाभाविक है। इस वातावरण में ऐसा महसूस होगा कि दक्षिणी भारत के देवी-देवताओं का आशीर्वाद आप पर बरस रहा हो। हम्पी भारत आकर्षक स्थल अपना अस्तित्व बहुत लंबे समय से बनाए हुए है। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार जानते हैं हम्पी के बारे में...

हम्पी का इतिहास

ऊपर की जानकारी पढ़कर आप इतना तो जान ही गए होंगे कि हम्पी नगर किस साम्राज्य से संबंधित है? हम्पी-विजय नगर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मध्यकालीन युग का उदाहरण है। विजय नगर साम्राज्य के दौरान यहाँ अनेकों मंदिर का निर्माण किया गया। यहाँ के प्राचीन राजाओं ने कला, कृषि, धार्मिक इमारतें आदि पर अधिक ज़ोर दिया। यह स्थल हिन्दू के साथ-साथ जैन धर्म की इमारतों का भी निर्माता है। विभिन्न प्रकार की वास्तुकलाओं का प्रयोग करके ऐतिहासिक इमारतों को बनवाया गया है। हम्पी हिस्ट्री अद्भुत कलाकारियों से परिचित करवाती है। अपना कुछ बेहतरीन समय गुज़ारने के लिए आप आर्केयोलॉजीकल म्यूज़ियम आ सकते हैं। यह हम्पी का जाना-माना स्थल है जहां

पर्यटक आना नहीं भूलते। इसे चार भागों में बांटा गया है। पहले भाग में आप हम्पी का मॉडल देख पाऐंगे। दूसरे भाग में आप हम्पी को समर्पित कुछ मूर्तियों के अवशेष देखेंगे। तीसरे भाग मे औजारों आदि की प्रदर्शनी है। चौथे में आपको लिखित इतिहास से पहले व बाद की कलाकृतियां देखने को मिलेंगी।

ऐतिहासिक मंदिरों का शहर

यह दक्षिण भारत के ऐतिहासिक मंदिरों में से एक है। पत्थर से इसके हर एक हिस्सै को महीनता से तराशा गया है। स्तंभों को भी बड़ी कलाकारी से बनाया गया है। दक्षिणी भारत की कला संस्कृति को बिखेरते हुए इस मंदिर की रचना द्रविड़ वास्तुकला द्वारा की गई है। इसी का एक भाग है, हम्पी रथ मंदिर। मंदिर के इस हिस्से को रथ की तरह बनाया गया है। हम्पी का रथ आपको वास्तविक रथ जैसा लगेगा जैसे बस अभी यह चल पड़ने वाला हो। वीरुपाक्ष मंदिर, यंत्रोद्धारक हनुमान मंदिर, प्रसन्न वीरुपाक्ष मंदिर, हेमकुट पहाड़ी मंदिर, कृष्ण मंदिर और हेमकुता पहाड़ी के दक्षिण की ओर स्थित, ससिवेकालु गणेश मंदिर का नाम गणेश के पेट और सरसों के बीज के बीच समानता के कारण पड़ा है, जिसे स्थानीय रूप से ससिवेकालु के नाम से जाना जाता है। इसमें भगवान गणेश के पेट के चारों ओर एक सांप को चित्रित करते हुए एक बोल्डर पत्थर से शानदार ढंग से नक्काशी की गई गणेश की 2.4 मीटर की मूर्ति है।

सबसे चर्चित बाजार

हम्पी आकर आप यहां आना बिल्कुल मत भूलिएगा। यह यहां का सबसे चर्चित बाजार है जहां से आप ढेर सारी वस्तुओं को सजो के स्मृति के तौर पर अपने साथ ले जा सकते हैं। बाज़ार के पूर्वी हिस्से में आपको स्थानीय ग्रामीणवासी दिखेंगे जो कुछ पारंपरिक वस्तुओं को बेचते हैं। हम्पी बाजार के सड़क के पूर्वी अंत पर नंदी की विशाल प्रतिमा है।

कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी

महाराष्ट्र: छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर गरमाई सियासत, एमवीए कार्यकर्ता और नारायण राणे के समर्थक भिड़े

शिंदे सरकार पर बरसे उद्धव... 1 सितंबर को निकालेंगे विरोध मार्च

एजेंसी । मुंबई

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा के गिरने के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार पर तीखा हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने इस घटना के विरोध में 1 सितंबर को मुंबई में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर से विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। दूसरी ओर,

बुधवार को प्रतिमा स्थल पर पहुंचे शिवसेना (यूबीटी) समेत महा विकास अघाड़ी कार्यकर्ताओं और भाजपा सांसद नारायण राणे के समर्थकों में झड़प हो गई। दोनों पक्षों के बीच जमकर धक्का-मुक्की भी हुई। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है। इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

उद्धव ठाकरे ने बुधवार को यहां राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की उपस्थिति में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह कहना कि मालवण किले में शिवाजी महाराज की प्रतिमा हवा के कारण गिरी, सरकार की बेशर्मी की पराकाष्ठा है। इस घटना के खिलाफ मालवण में एमवीए का मोर्चा शिवाजी महाराज के साथ विश्वासघात करने वालों को बेनकाब करेगा। महा विकास अघाड़ी 1 सितंबर को दक्षिण मुंबई में हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक एक विशाल विरोध मार्च निकालेगी। ठाकरे ने आरोप लगाया कि राज्य की महायुति सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है और इसका नतीजा है कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिर गई।

गौरतलब है कि सिंधुदुर्ग की मालवण तहसील में स्थित राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को अपराह्न लगभग एक बजे गिर गई थी। इस प्रतिमा का अनावरण पिछले साल 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

एमवीए के प्रदर्शन में कई बड़े नेता हुए शामिल

दूसरी ओर विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर से बुधवार को सिंधुदुर्ग में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री व भाजपा सांसद नारायण राणे और नीलेश राणे मौके पर पहुंचे तो प्रदर्शन स्थल पर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। आदित्य ठाकरे और नारायण राणे के समर्थकों के बीच झड़प भी हुई, लेकिन पुलिस ने तुरंत स्थिति को काबू में कर लिया। एमवीए के विरोध प्रदर्शन में एनसीपी (शरद पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार के साथ शिवसेना(यूबीटी) पार्टी के नेता आदित्य ठाकरे, पूर्व सांसद विनायक राउत शामिल हुए। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस बीच, नारायण राणे और द नीलेश राणे भी मौके पर पहुंचे। इससे दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए और जोरदार नारेबाजी करने लगे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आदित्य ठाकरे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कहा कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने अब तक कई चीजों में भ्रष्टाचार किया है, इसलिए ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। चाहे बदलापुर में अत्याचार हो या छत्रपति शिवाजी की मूर्ति गिरने का मामला हो, ये सरकार के भ्रष्टाचार के उदाहरण हैं।

गारंटी योजना में सालाना 52 हजार करोड़ खर्च

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार अपनी पांच गारंटी योजना पर प्रति वर्ष 52,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है और यह शायद किसी भी राज्य सरकार द्वारा की गई सबसे बड़ी आय सहायता पहल है। सिद्धारमैया ने मंगलवार को बेंगलुरु में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी के साथ बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा, समान विकास के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप, हमने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 120 लाख से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करके एक बहुत ही महत्वाकांक्षी समावेशन एजेंडा शुरू किया है। हम इस एजेंडे को 'पांच गारंटी' कहते हैं।' गृह लक्ष्मी योजना के तहत प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपए की मासिक नकद सहायता, जिससे प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण के माध्यम से 120 लाख महिलाओं को लाभ मिलेगा।

EC ने भाजपा को जारी किया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने हरियाणा की भाजपा इकाई द्वारा चुनाव अभियान से संबंधित वीडियो में एक बच्चे का इस्तेमाल करने के मामले को गंभीरता से लिया है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह चुनाव आयोग के नियमों का घोर उल्लंघन है। इसके लिए भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 29 अगस्त शाम 6 बजे तक जवाब देने के निर्देश दिए हैं। 27 अगस्त को हरियाणा भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चुनाव प्रचार से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में एक बच्चा हरियाणा में अबकी बार सैनी सरकार का नारा लगा रहा है। बच्चा कहता है- अबकी बार हरियाणा में सैनी सरकार, जय हिंद। इस तरह वीडियो आगे चलता है। वीडियो 36 सेकंड का है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है- बच्चे-बच्चे की यही पुकार, अबकी बार नायब सरकार।

हरियाणा विस चुनाव: अंदरूनी कलह पर काबू के लिए कांग्रेस का मंत्र

सांसदों को नहीं देगी टिकट, एंटी इंकबेंसी हुई तो MLA की छुट्टी!

एजेंसी । नई दिल्ली/चंडीगढ़

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से पार्टी में बढ़ती अंदरूनी कलह के बीच कांग्रेस ने राज्य में मौजूदा सांसदों को चुनाव मैदान में नहीं उतारने का फैसला किया है। इसके साथ ही पार्टी ने यह भी तय किया है कि मौजूदा विधायकों का टिकट तब कटेगा, अगर उनके खिलाफ एंटी इंकबेंसी होगी। कांग्रेस के हरियाणा मामलों के प्रभारी दीपक बावरिया ने बुधवार को पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही।

कांग्रेस प्रभारी की इस घोषणा के बाद कुमारी सैलजा, दीपेंद्र हुड्डा, सतपाल ब्रह्मचारी, जयप्रकाश और रणदीप सुरजेवाला तथा वरुण मुलाना के विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना खत्म हो गई है। हरियाणा में एक अक्टूबर को मतदान होना है।

बावरिया ने कहा कि बुधवार को बैठक में 10-15 सीटों पर चर्चा हुई है, लेकिन अंतिम फैसला लेने में अभी कुछ दिन और लगेंगे। शनिवार तक हमारी सूची तैयार हो जाएगी। आवेदनों पर भी चर्चा हो रही है। 2 हजार से ज्यादा आवेदन आए हैं। उन पर चर्चा होगी और फिर हम लोग चेयरमैन के सामने वो नाम रखेंगे। बाबरिया ने कहा कि किसी भी मौजूदा सांसद को विधानसभा चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अगर कोई तत्काल आवश्यकता है तो उन्हें पार्टी अध्यक्ष खरगे से अनुमति लेनी होगी। सूत्रों के अनुसार पार्टी में सीएम फेस को लेकर खूब खींचतान चल रही है। इसलिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे चुनाव से पहले किसी भी संभावित कलह को रोकने के लिए सख्त रवैया अपना रहे हैं। पिछले दिनों कुमारी शैलजा ने इच्छा जताई थी कि वे विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती हैं। शैलजा को उनके समर्थन कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश कर रहे थे।

हमें जीत का भरोसा... जोखिम भी उठाएंगे

हालांकि राज्य के नेताओं को विधानसभा चुनावों से पहले सार्वजनिक विवादों और विवादास्पद बयानों से बचने के लिए हाईकमान द्वारा आगाह किया गया था, लेकिन पिछले हफ्तों में शैलजा और सुरजेवाला दोनों अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में मतदाताओं को संगठित करने के लिए अलग-अलग जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। बावरिया ने कहा, 'देखिए, अगर विभिन्न पार्टी नेता अपने क्षेत्रों में यात्राएं निकालते हैं तो वे एक तरह से कांग्रेस को ही मजबूत कर रहे हैं। इसलिए यह कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। हमें हरियाणा में जीत का भरोसा है, लेकिन हम जोखिम भी लेना चाहते हैं।

दो खेमों में बंटी है प्रदेश कांग्रेस

पार्टी सूत्रों के अनुसार, हरियाणा कांग्रेस दो बड़े खेमों में बंट गई है, जिनका नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा कांग्रेस विधायक दल के नेता भूपेंद्र हुड्डा और राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान कर रहे हैं। प्रतिद्वंद्वी खेमे का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व राज्य इकाई प्रमुख कुमारी शैलजा कर रही हैं। शैलजा हाल ही में सिरसा सुरक्षित सीट से लोकसभा के लिए चुनी गई थीं। इसके अलावा पूर्व राज्य मंत्री और एआईसीसी पदाधिकारी रणदीप सुरजेवाला भी शामिल हैं, जो अब राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। लोकसभा चुनावों के बाद कुमारी शैलजा ने पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा के इशारे पर टिकट वितरण पर सवाल उठाते हुए उन पर निशाना साधा था। शैलजा ने कहा था कि उम्मीदवारों का निष्पक्ष चयन होता तो कांग्रेस 10 में से कम से कम 8 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर लेती। हाल ही में शैलजा ने सार्वजनिक रूप से राज्य की राजनीति में शामिल होने और मौका मिलने पर राज्य का नेतृत्व करने की इच्छा व्यक्त करके राज्य की राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया था।

शैलजा व सूरजभान में हुई थी बहस

पार्टी के सूत्रों के अनुसार, हाल ही में राहुल गांधी और खरगे की अध्यक्षता में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड तथा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए आयोजित एक महत्वपूर्ण रणनीति बैठक के दौरान शैलजा और राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान के बीच मौखिक बहस हुई थी। इसके अलावा पिछले दो दिनों में स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकों में हरियाणा के वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद भी सामने आए। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा सुझाए गए जीतने योग्य उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जाए ताकि संतुलन बनाया जा सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा नेता बीरेंद्र सिंह और उनके बेटे बृजेंद्र सिंह, जो हुड्डा विरोधी खेमे से हैं, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

झारखंड में सियासत तेज

चंपई सोरेन ने JMM से दिया इस्तीफा... कल भाजपा का दामन थामेंगे

एजेंसी । रांची

झारखंड में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य का सियासी तापमान बढ़ रहा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता चंपाई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा से इस्तीफा दे दिया है और पार्टी के सभी पद भी छोड़ दिए हैं। वह 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। उनके इस्तीफे के बाद राज्य में राजनीतिक ताकतों के ध्रुवीकरण के आसार हैं।

चंपई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में अपने इस्तीफे की यह जानकारी दी। उन्होंने पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन को लिखे पत्र में कहा कि झामुमो की मौजूदा कार्यशैली और नीतियों से व्यथित होकर उनको पद छोड़ने के लिए विवश होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों, पिछड़ों एवं आम लोगों के मुद्दों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा। चंपाई ने एक्स पर साझा किए अपने पत्र में लिखा, झामुमो मेरे लिए एक परिवार जैसा रहा एवं मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे इसे छोड़ना पड़ेगा। आप के मार्गदर्शन में जिस पार्टी का सपना हम जैसे कार्यकर्ताओं ने देखा था, आज वह पार्टी अपनी दिशा से भटक चुकी है। हम लोगों ने जिस पार्टी के लिए जंगलों, पहाड़ों और गांवों की खाक छानी थी, वह भटक चुकी है।

भाजपा में जाने का फैसला झारखंड के हित में: चंपई

इससे पहले चंपई सोरेन ने बुधवार को कहा कि उन्होंने झारखंड के हित में भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कि वह किसी भी स्थिति से डरे हुए नहीं हैं। उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। तभी से उनके भाजपा में शामिल होने के कयास तेज हो गए थे। वह बुधवार को अपने बेटे के साथ रांची पहुंचे जहां बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने उनका स्वागत किया। चंपई सोरेन ने यहां कहा, भाजपा में शामिल होने का फैसला झारखंड के हित में है । मुझे संघर्षों की आदत है।

प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई

DMK सांसद पर 908 करोड़ रुपए का जुर्माना

एजेंसी । चेन्नई

डीएमके सांसद एस. जगतरक्षकन और उनके परिवार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई है। एजेंसी ने उन पर 908 करोड़ रुपए का जुर्माना लगायाा है। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा अधिनियम के उल्लंघन पर की गई है। वहीं 89 करोड़ की संपत्ति को जब्त भी किया गया है। ईडी ने बुधवार को बताया कि चेन्नई में फेमा कानून के तहत तमिलनाडु के सांसद और बिजनेसमैन जगतरक्षकन के खिलाफ जांच की गई। इस दौरान उनके परिवार से जुड़े संस्थानों को भी खंगाला गया। उनकी 89.19 करोड़ रुपए की संपत्तियों को फेमा कानून के सेक्शन 37A के तहत जब्त किया गया है।

इसके अतिरिक्त उन्हें 908 करोड़ रुपए की वसूली का नोटिस भी जारी किया गया है। इस संबंध में आदेश सोमवार को ही जारी किया गया था। 76 वर्षीय जगतरक्षकन तमिलनाडु की अरक्कोनम लोकसभा सीट से सांसद हैं। फिलहाल इस मामले में एजेंसी की जांच जारी है। अब तक इस मामले में डीएमके या फिर सांसद की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है।

सीएम बनर्जी बोली-बंगाल जला तो अन्य राज्यों पर आएगी आंच- हिमंता का पलटवार

असम को आंखें न दिखाएं ममता बनर्जी: मुख्यमंत्री सरमा

एजेंसी । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि आपकी असम को धमकाने की हिम्मत कैसे हुई? असम के अन्य मंत्रियों ने भी बंगाल की सीएम के बयान की निंदा की।

दरअसल ममता बनर्जी ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद की स्थापना दिवस पर भाजपा के बंगाल बंद के दौरान हिंसा को लेकर जमकर निशाना साधा था। ममता बनर्जी ने भाजपा पर बंगाल में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि यदि बंगाल जलाएंगे, तो असम, पूर्वोत्तर,ओडिशा, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली भी जलेंगे।

ममता बनर्जी के इस बयान के बाद असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि दीदी, असम को धमकाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई। हमें लाल आंखें मत दिखाइए।

अपनी असफलता की राजनीति से भारत को जलाने की कोशिश मत कीजिए। आपको विभाजनकारी भाषा बोलना शोभा नहीं देता। वहीं असम के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि वह हमें धमका नहीं सकती। वह अपने राज्य में कानून व्यवस्था को नियंत्रित नहीं कर सकती और हमें धमकी दे रही हैं। असम में ऐसा नहीं होगा।

18 विपक्षी पार्टियों ने दर्ज कराई शिकायत

दूसरी ओर असम में अठारह विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ उनके एक बयान को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सरमा ने मंगलवार को कथित रूप से कहा था कि वह पक्षपात करेंगे और 'मियां' मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने देंगे। उनके इस बयान पर विवाद छिड़ा गया है। कांग्रेस के नेतृत्व में 18 विपक्षी दलों के संयुक्त मंच ने आरोप लगाया कि हिमंत सरमा ने समुदायों के बीच नफरत को बढ़ावा दिया है। असम कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा ने कहा, असम में 18 विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से असम के मुख्यमंत्री सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं और विधानसभा के अंदर भी संवेदनशील बयान दे रहे हैं। हम राष्ट्रपति को भी पत्र लिखेंगे।

जम्मू कश्मीर की चुनावी चिट्ठी

अकेला चलो की राह पर पीडीपी... महबूबा मुफ्ती नहीं लड़ेंगी विस चुनाव

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए प्रथम चरण के लिए नामांकन समाप्त होने के साथ ही चुनाव की तस्वीर भी साफ होने लगी है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में उतर रही हैं, वहीं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी(पीडीपी) के इस बार बिना किसी गठबंधन के चुनाव मैदान में उतरना तय है।

उसके नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन की संभावना अब नजर नहीं आती है। पीडीपी ने बुधवार को 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसमें गांदरबल से बशीर अहमद मीर को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने वहां से पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को प्रत्याशी बनाया है। इस बीच,पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को घोषणा की कि वह विधानसभा चुनाव नहीं लडेंगी। उन्होंने कहा कि अगर वह मुख्यमंत्री बन भी गईं तो भी वह केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी का एजेंडा पूरा नहीं कर पाएंगी महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैं भाजपा के साथ एक सरकार की मुख्यमंत्री रही हूं जिसने (2016 में) 12,000 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी वापस ले ली थी। क्या हम अब ऐसा कर सकते हैं?

मैंने पीएम मोदी के साथ सरकार की मुख्यमंत्री के रूप में अलगाववादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के लिए एक पत्र लिखा था। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? मैंने जमीनी स्तर पर संघर्ष विराम (लागू) करवाया। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? अगर आप मुख्यमंत्री के तौर पर प्राथमिकी वापस नहीं ले सकते, तो ऐसे पद का क्या मतलब है? महबूबा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर कहा कि दोनों पार्टियां हमेशा सत्ता के लिए एक साथ आती हैं।

यह भी बोली महबूबा

अगर मैं मुख्यमंत्री बन भी गईं तो भी केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी का एजेंडा पूरा नहीं कर पाऊंगी। मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी

पीडीपी के 17 प्रत्याशी घोषित

पीडीपी ने बुधवार को 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। जिसमें ईदगाह विधानसभा क्षेत्र से मोहम्मद खुर्शीद आलम, गांदरबल से बशीर अहमद मीर, नौशेरा से हक नवाज को चुनाव मैदान में उतारा है।

भाजपा में श्री माता वैष्णो देवी सीट से प्रत्याशी बदलने पर रार

कार्यकर्ताओं को मनाने कटरा पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष रैना

भाजपा में राज्य विधानसभा के लिए प्रत्याशियों की घोषणा के साथ नाराजगी भी सामने आ गई है। भाजपा ने मंगलवार को जारी प्रत्याशियों की सूची में श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र से रोहित दुबे की जगह पूर्व विधायक बलदेव राज शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे दुबे के समर्थक नाराज हो गए और उन्होंने बलदेव राज शर्मा को उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध किया है। दुबे समर्थकों की नारजगी को देखते हुए प्रदेश भाजपा प्रमुख रविंदर रैना कटरा पहुंचे। दुबे के समर्थकों ने कटरा के मुख्य चौक पर धरना दिया और कहा कि पार्टी हाईकमान को रोहित दुबे के नाम पर कायम रहना चाहिए, अन्यथा वे वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार (बलदेव राज शर्मा) की हार सुनिश्चित करेंगे। हालांकि, रैना ने दुबे और उनके समर्थकों को शांत करने की पूरी कोशिश की। कटरा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, भाजपा एक ऐसा परिवार है जो राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय और स्वयं अंतिम के सिद्धांत में विश्वास करता है। मैं उनमें से प्रत्येक से मिल रहा हूं। रैना ने रोहित दुबे से भी मुलाकात की और मामले को नए सिरे से देखने का आश्वासन दिया।

जरूरी खबर

मोहन भागवत को अब मिलेगी मोदी-शाह जैसी सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा को और मजबूत कर दिया है। उन्हें अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसी सुरक्षा मिलेगी। दरअसल, गृह मंत्रालय ने मोहन भागवत की सुरक्षा को जेड प्लस से बढ़ाकर एएसएल (एडवांस्ड सिक्योरिटी लिएजॉन) में बदल दिया है। बता दें कि आरएसएस प्रमुख को अभी तक जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि गृह मंत्रालय ने कई जगहों पर मोहन भागवत की सुरक्षा में ढिलाई देखी, जिसके बाद ही उन्होंने नए सुरक्षा प्रोटोकॉल पर काम करना शुरू किया और उनकी सुरक्षा को और मजबूत करने का फैसला लिया गया।

12 से 14 और चीतों को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार ने इस साल के अंत तक 12 से 14 और चीतों को भारत लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में बातचीत करने के लिए जल्द ही भारतीय प्रतिनिधिमंडल दक्षिण अफ्रीका की यात्रा कर सकता है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए केन्या के साथ भी बातचीत की जा रही है और एक समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चीतों के अगले समूह को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाने की योजना है। एक अधिकारी ने बताया, एक प्रतिनिधिमंडल जमीनी स्तर पर बातचीत करने के लिए सितंबर के अंत में या अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगा।

J&K: कुपवाड़ा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ जारी

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार इलाके में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा के पास तंगधार इलाके में खुशाल पोस्ट पर गोलीबारी शुरू हुई। विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा बलों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ करते हुए छह हथगोले बरामद किए।

अंतरराष्ट्रीय फार्मा एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदर्शनी -IPHEX 2024 शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में फार्मा एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा आयोजित तीन -दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फार्मा एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदर्शनी (IPHEX 2024) का उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय दवा उद्योग से दुनिया की स्वास्थ्य सेवा का संरक्षक बनने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

गुजरात में बाढ़ से हालात और विकट हुए

एजेंसी | अहमदाबाद

गुजरात में लगातार मूसलाधार बारिश से कई जिले में हालात बिगड़ गए हैं। राज्य के 12 जिलों में बाढ़ के हालात है। कच्छ जिले में अगले तीन दिनों तक सब सरकारी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। वडोदरा में विश्वामित्र नदी खतरे के निशान को पार कर गई है।इससे शहर के दर्जन भर इलाकों में 4 से 5 फीट तक पानी भर गया है। राज्य में बाढ़ व भारी बारिश से 29 लोगों की मौत हो गई है। राज्य में सरकार ने कलेक्टरों को सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों को रद्द करने को कहा है। सर्तकता के तौर पर पूरे राज्य में प्राइमरी स्कूल बंद हैं। मौसम विभाग ने 29 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट दिया है। कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इसमें राजस्थान से होकर चलने वाली ट्रेनें भी शामिल हैं। राजस्थान से गुजरात होकर जाने वाली 18 ट्रेनों का रूट बदला गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए वर्षा प्रभावित क्षेत्रों के राहत एवं बचाव कार्यों तथा बाढ़ की स्थिति की गहन समीक्षा की।

डॉक्टर से रेप व हत्या का मामला: राष्ट्रपति ने बयां किया दर्द...

बहुत हो गया... कुछ करना होगा बेटियों पर अत्याचार सहन नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार व हत्या मामले पर बुधवार को पहली बार देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दर्द बयां किया है।

उन्होंने अपनी पहली टिप्पणी में कहा कि वह 'निराश और भयभीत' हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर छात्र, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, दूसरी ओर अपराधी अन्य जगहों पर घूम रहे थे। 'बस बहुत हो गया', अब कुछ करना होगा।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा- मैं निराश और भयभीत हूं

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों पर इस तरह के अत्याचार की अनुमति नहीं दे सकता। समाज को 'ईमानदार, निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण' की जरूरत है, खुद से कुछ कठिन सवाल पूछने चाहिए।

लगता है समाज को है भूलने की बीमारी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस दौरान निर्भया कांड का भी जिक्र किया और अफसोस जताया कि 12 सालों के बाद समाज में अनगिनत बलात्कारों की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। यह बहुत ही चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि निंदनीय मानसिकता वाले ऐसे अपराधी अक्सर महिलाओं को कमतर इंसान, कम शक्तिशाली, कम सक्षम और कम बुद्धिमान के रूप में देखते हैं। यह महिलाओं का अपमान है। ऐसा लगता है समाज उस अपराध को भूल चुका है। यह सामूहिक भूलने की बीमारी बहुत ही निंदनीय है। ज्ञात रहे कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 9 अगस्त को एक महिला ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और कथित यौन उत्पीड़न की घटना से राष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश फैल गया और देश के विभिन्न राज्यों में कई रैलियां आयोजित की गईं।

बंद के दौरान हिंसा, BjP समर्थकों व पुलिस में झड़प

कोलकाता। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार व हत्या के मामले में छात्र संगठनों के विरोध मार्च के एक दिन बाद बुधवार को भाजपा के आह्वान पर 12 घंटे के बंगाल बंद के दौरान कई जिलों में पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई। कई नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। नॉर्थ 24 परगना जिले के भाटपारा में भाजपा नेता प्रियंगु पांडे की कार पर फायरिंग हुई। प्रियंगु ने दावा किया कि टीएमसी के लगभग 50-60 लोगों ने हमला किया। गाड़ी पर 6-7 राउंड फायरिंग की और बम फेंके गए। ड्राइवर समेत दो लोगों को गोली लगी है।जिसमें से एक जने की हालत गंभीर है। नादिया और मंगलबाड़ी चौरंगी में भाजपा और टीएसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। बनगांव और बारासात दक्षिण में ट्रेनें रोकी गईं। भाजपा 27 अगस्त को कोलकाता में छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और उन्हें हिरासत में लेने का विरोध कर रही थी। बंगाल बंद पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सीबीआई को रेप व हत्या के केस की जांच सौंपे 16 दिन बीत गए हैं। कहां है न्याय? उन्होंने कहा कि हम न्याय चाहते हैं, लेकिन भाजपा ने आज बंद का आह्वान किया है। वे न्याय नहीं चाहते, वे केवल बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इस बंद का समर्थन नहीं करते। भाजपा ने कभी भी यूपी, एमपी और यहां तक कि मणिपुर के सीएम के इस्तीफे की मांग नहीं की।

डॉ.घोष को आईएमए ने किया सस्पेंड

कोलकाता। इस बीच, आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने घोष के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के संबंध में दर्ज किया है। आईएमए ने बुधवार शाम जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा, मारे गए डॉक्टर के माता-पिता ने स्थिति से निपटने में आपके खिलाफ अपनी शिकायतें दर्ज कराई हैं, साथ ही इस मुद्दे को उचित तरीके से संभालने में सहानुभूति और संवेदनशीलता की कमी के बारे में भी उन्होंने बताया है।

अस्पताल परिसरों में नियमित गश्त के निर्देश

इस बीच, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधा परिसरों में नियमित सुरक्षा कर्मियों की गश्त शुरू करने और प्रमुख स्थानों पर भारतीय न्याय संहिता में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा से संबंधित प्रावधान प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने बुधवार को सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ एक ऑनलाइन बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी राज्यों को सभी अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधा परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और इसे मजबूत करने के कदम उठाने चाहिए। बैठक की अध्यक्षता गृह सचिव और स्वास्थ्य सचिव ने संयुक्त रुप से की। बैठक में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल तथा संबंधित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया है कि 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा के लिए कानूनी व्यवस्था है।

केंद्र सरकार का अहम फैसला

देश में बनेंगे बारह औद्योगिक स्मार्ट शहर

■ 28,602 करोड़ का होगा निवेश, 10 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देशभर में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित करने की मंजूरी दी है। इससे लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद में बताया कि कैबिनेट ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी दी है। इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल सकेगा।

इस योजना पर 28,602 करोड़ रुपए का निवेश होगा। वैष्णव ने बताया कि 10 राज्यों में फैली छह प्रमुख आर्थिक गलियारे भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित 12 स्मार्ट औद्योगिक शहरों में लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपए की निवेश संभावनाएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा और औद्योगिक नोड्स एवं शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार करेगा जो आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को काफी बढ़ावा देगा। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर राज्यों को पनबिजली के विकास के लिए 4,136 करोड़ रुपए के इक्विटी समर्थन की भी मंजूरी दी है।

देश की और बढ़ेगी सैन्य ताकत

INS अरिघात आज होगी नौसेना में शामिल

बेधड़क | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना गुरुवार को अपनी दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को शामिल करेगी। यह पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी है।

पहली पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत 2009 में नौसेना में शामिल हुई थी। यह पनडुब्बी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना के शीर्ष अधिकारी की मौजूदगी में नौसेना में शामिल होगी। आईएनएस अरिघात, आईएनएस अरिहंत के साथ मिलकर काम करेगी। भारतीय नौसेना जल्द ही तीसरी पनडुब्बी को भी शामिल करने वाली है। दो और पनडुब्बियां साल 2035-36 तक तैयार हो जाएंगी। नौसेना ने इन दोनों पनडुब्बियों से लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलों का परीक्षण किया है।

पीएम मोदी का अमेरिका दौरा अगले माह: 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड के नासाउ में होगा कार्यक्रम

पीएम भारतवंशियों को करेंगे संबोधित... पलक पांवड़े बिछाने की तैयारी

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। अमेरिका प्रवास के दौरान पीएम मोदी प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड के नासाउ कॉलेजियम में आयोजित होगा। इसके आलावा पीएम 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को भी संबोधित करेंगे।

इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए (आईएसीयू) ने मंगलवार को कहा कि पीएम मोदी और अमेरिका के 'प्रोग्रेस टुगेदर' नाम के इस कार्यक्रम में अभी तक करीब 24 हजार से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जबकि यहां हॉल की क्षमता केवल 15 हजार ही है। मगर साफ है कि क्षमता से कई अधिक लोग यहां मौजूद रहने वाले हैं। आईएसीयू ने एक बयान में कहा कि यूनियनडेल, लॉन्ग आइलैंड में होने वाले कार्यक्रम के लिए पंजीकरण 590 सामुदायिक संगठनों के माध्यम से आए हैं, जिनमें से सभी ने संयुक्त राज्य अमेरिका से 'वेलकम पार्टनर्स' के रूप में पंजीकरण कराया है।

अब तक 24,000 लोगों ने कराया पंजीकरण

42 राज्यों से भारतवंशी लेंगे भाग

जानकारी मिली है कि कम से कम 42 राज्यों से भारतीय अमेरिकियों के भाग लेने की उम्मीद है। कार्यक्रम के एक प्रमुख आयोजक ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोग भाग ले सकें। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए ने कहा कि हम बैठने की व्यवस्था को बढ़ाने का प्रयास करेंगे, जिससे अंतिम सीट आवंटन में उन लोगों को प्राथमिकता दी जा सके जो भाग लेने के लिए पंजीयन कराएंगे।

विविधता का जश्न मनाने का होगा आयोजन

आईएसीयू ने कहा कि 'मोदी और अमेरिका' कार्यक्रम भारतीय-अमेरिकी समुदाय की परस्पर विविधता का जश्न मनाने वाला एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा। आईएसीयू ने आगे कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होने वालों में विभिन्न धार्मिक समुदाय को लोग हैं, जिनमें यहूदी, पारसी, जैन, ईसाई, सिख, मुस्लिम और हिंदू समुदायों के सदस्य शामिल हैं। संगठन ने आगे कहा कि वे हिंदी, तेलुगु, पंजाबी, तमिल, बंगाली, मलयालम, गुजराती और अन्य सहित भारत की विविध भाषाओं के एक महत्वपूर्ण वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सदस्यों को मिलेंगे मुफ्त पास

कार्यक्रम के लिए संगठन के सभी सदस्यों को Free Passes for Modi & US पत्र लिख कर उनसे समय पर मुफ्त पास लेने के लिए कहा गया है, उन्हें इसी से प्रवेश मिलेगी। सदस्यों से कहा गया है कि मुफ्त पास के लिए विशेष पूर्व-पंजीकरण अब सदस्यों के लिए उपलब्ध है, और 26 अगस्त, 2024 को रात 11:59 बजे (ईएसटी) पर समाप्त होगा। उस समय के बाद, सीमित बैठने की सुविधा केवल सामान्य पंजीकरण के माध्यम से उपलब्ध होगी। मुफ्त पास के लिए तुरंत ऑनलाइन पंजीकरण कराएं।

सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी जाएगी

कार्यक्रम के एक प्रमुख आयोजक ने कहा, हम चाहते हैं कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोग भाग ले सकें। हम बैठने की व्यवस्था बढ़ाने का इंतजाम कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में व्यापार, विज्ञान, मनोरंजन और कला के क्षेत्र में प्रमुख भारतीय-अमेरिकियों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और प्रस्तुति भी दिखाई जाएंगी। ज्ञात रहे कि गैर-लाभकारी संगठन इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से इंडो-अमेरिकन समुदाय के बीच समझ और एकता को बढ़ावा देता है।

एनआरजी स्टेडियम: 2019 में 'हाउडी मोदी' को किया था संबोधित

इससे पहले साल 2019 में मोदी ने टेक्सास के ह्यूस्टन में एनआरजी स्टेडियम में मेगा सामुदायिक कार्यक्रम 'हाउडी मोदी' को संबोधित किया था। इस दौरान उनके साथ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे थे। इस साल अमेरिका की उनकी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब देश में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं।

चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल: देश-विदेश से पहुंचे जाने-माने फिल्मकार, दिए अवॉर्ड

दृश्य देखने की ललक बालमन में ज्ञान की इच्छा जगाने के साथ ही बढ़ाती है अनुभव

बेधड़क.जयपुर। कभी दृश्य देखने की नजर बालमन और अबोध हो, ऐसे में उस दृश्य को देखने की जो ललक होती है वह ज्ञान से अनुभव को जन्म देती है। ये दृश्य और बालमन पर एक नए रचना संसार का निर्माण कर रहे होते हैं, जो आने वाले किसी भी समाज और देश की पहली नींव और मजबूत भविष्य का आधार बनते हैं। यह कहना था 7वें आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टीवल ऑफ जयपुर और सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स के शुभारंभ पर आए वक्ताओं का। ये दोनों फेस्टिवल्स जयपुर के आठ स्कूलों में 30 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे हैं। फेस्टिवल्स के पहले दिन निर्मला ऑडिटोरियम में रंगारंग ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस दौरान देश विदेश के फिल्मकार, निरंजन आर्य, पूर्व मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, बी एस रावत, चेयरमैन, रावत एजुकेशनल ग्रुप, जिफ के फाउंडर हनु रोज और जिफ प्रवक्ता राजेंद्र बोड़ा उपस्थित रहे।

फिल्में समाज के लिए दर्पण

निरंजन आर्य ने कहा कि बच्चों के लिए इस तरह के फिल्म फेस्टिवल बौद्धिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। जयपुर में हजारों बच्चे एक साथ तीन दिन में 21 देशों 55 फिल्में देखेंगे ये एक बड़ी बात है। इस तरह के उत्सव होते रहना चाहिए। बी एस रावत ने कहा कि फिल्में भी बच्चों के लिए उनके सलेब्स का ही हिस्सा है। फिल्में ज्ञान का एक मार्ग भी हैं और समाज के लिए दर्पण भी हैं। वियतनाम से जयपुर पहुंची अभिनेत्री हुएन थू माई ने कहा कि मैं जयपुर पहली बार आई हूं। जयपुर बेहद खूबसूरत शहर है। यहां आकर, अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। फेस्टिवल्स के पहले दिन विजेता फिल्मों और फिल्मकारों को पुरस्कृत किया गया।

ये रहीं AICFFJ की बेस्ट फिल्में

आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टीवल ऑफ जयपुर में सर्वश्रेष्ठ छात्र लघु फिल्म भारत से सिद्धेश पांडे द्वारा निर्देशित ए हैप्पी पिज्जा डे, सर्वश्रेष्ठ फीचर फिक्शन फिल्म इटली से इलारिया बोरेली द्वारा निर्देशित द गोट, सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म कोरिया साउथ से जीसू सिम/जीवोन किम/चेओन्गहोंग मिन द्वारा निर्देशित द एलीटरेट: बो-वॉ, बुक एंड किड्स रहीं। सर्वश्रेष्ठ लघु फिक्शन फिल्म भारत से सुनील पाल द्वारा निर्देशित रंग, सर्वश्रेष्ठ लघु एनिमेशन फिल्म भारत से पुंटून किड्स द्वारा निर्देशित गट्टूज लीडरशिप रहीं।

ये रहीं SIFF में बेस्ट फिल्में

सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में बेस्ट फीचर फिक्शन फिल्म (म्यूजिकल) ए फ्रैगाइल फ्लावर (डोआ होआ मोंग मान) निर्देशक हुएन थू माई, वियतनाम रही। बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फीचर पिंक बेल्ट (निर्देशक जॉन मैकक्राइट, संयुक्त राज्य अमेरिका), बेस्ट शॉर्ट एनिमेशन बाशा (निर्देशक अनिरबन पॉल, भारत), बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म इन द वेक ऑफ डिवोशन (निर्देशक वेदांत चक्रवर्ती, भारत), बेस्ट शॉर्ट फिक्शन फिल्म सुर (निर्देशक अभय चोपड़ा, भारत), बेस्ट वेब सीरीज योर डेमोक्रेसी (निर्देशक सारा मोसेस, संयुक्त राज्य अमेरिका) रहीं।

आज दिखाएंगे ये फिल्में

पाकिस्तान, भारत, चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, रूस और अमेरिका की 16 फिल्में गुरुवार को दिखाई जाएंगी। भारत से याना सामी, ए हैप्पी पिज्जा डे, बेतेलगेस, इन द वेक ऑफ डिवोशन, वियतनाम से अ फ्रैगली फ्लावर (दोआ होआ मोंग मान) और रूस से माई होरेबिल सीस आदि प्रमुख फिल्में हैं।

विदेशी धरती पर 'अपनी संस्कृति'

बेधड़क. जयपुर। मस्कट में जन्माष्टमी पर श्रीराम ग्रुप ओमान द्वारा श्रीकृष्ण बाल स्वरूप का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान मूल के सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी बच्चों ने अपनी भारतीय संस्कृति के अनुरूप कान्हा व राधा स्वरूप में नृत्य किया। कार्यक्रम में राजस्थान मूल के जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, अजमेर, गंगानगर, सीकर, फतेहपुर आदि क्षेत्रों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बच्चों का प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े अमित अग्रवाल ने बताया कि विदेश में जन्माष्टमी के पावन पर्व पर इस तरीके कार्यक्रम से संस्कृति के प्रति हमारी भावनाएं जागृत होती है और हमारी संस्कृति अगली पीढ़ी में प्रेषित होती है।

डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा बनीं चेयरपर्सन

बेधड़क. जयपुर। एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) की ओर से राजस्थान वुमन विंग की नई कार्यकारिणी घोषित की गई है। इसमें डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा को चेयरपर्सन और मोना शर्मा को वाइस चेयरपर्सन बनाया गया है। दोनों ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। एसोचैम भारत की 104 साल पुरानी बिज़नेस चैम्बर है जो देश भर में बिजनेस व सामाजिक हितों में संतुलन बनाने का काम कर रही है। डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा एनवायर्नमेंट रिसर्च साइंटिस्ट और डॉ. बी. लाल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जयपुर की असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। वे प्राकृत सस्टेनेबल इंटीग्रेटेड फाउंडेशन (एनपीओ), जयपुर की फाउंडर डायरेक्टर और एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के जयपुर चैप्टर की प्रेसिडेंट भी हैं। इसी प्रकार मोना शर्मा वरिष्ठ पत्रकार और वसुधा जन विकास संस्थान की डायरेक्टर हैं। संस्थान के जरिए वे गत 14 वर्षों से महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही हैं, जिनमें महिला शिक्षा, रोजगार व हाईजीन कुछ प्रमुख विषय हैं।

City इवेंट्स

सौबिन साहिर का 'दयाल' लुक आउट

बेधड़क. जयपुर। रजनीकांत स्टारर मोस्ट अवेटेड तमिल फिल्म कुली की कैरेक्टर अनाउंसमेंट शुरू कर दी गई है। पहला अनाउंस सौबिन साहिर के नाम का हुआ। डायरेक्टर लोकेश कनगराज ने उनका नाम अनाउंस अपने सोशल मीडिया हेंडल पर किया। इसमें उनके कैरेक्टर का नाम और फिल्म में उनका लुक दोनों ही शेयर किए। सौबिन साहिर इस मूवी में दयाल नाम के कैरेक्टर में नजर आएंगे। लोकेश कनगराज ने बुधवार शाम पहला कैरेक्टर अनाउंसमेंट किया। यह था सौबिन साहिर का। उन्होंने सौबिन साहिर का कैरेक्टर पोस्टर भी इसके साथ शेयर किया। उन्होंने अंग्रेजी में लिखा कि #saubinsahir सर ने कूली में #dayaal के रूप में जोइन किया है। वेलकम ओन बोर्ड सर।

राजेंद्र अध्यक्ष, तरुण बने सचिव

बेधड़क. जयपुर। निकुंज विला सोसायटी गांधीपथ पश्चिम में सोसायटी के गठन के लिए चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। सोसायटी के 90% से अधिक निवासियों ने अपना मत दिया। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष राजेंद्र लोरा, उपाध्यक्ष अश्विन तिवारी, सचिव तरुण हावा और कोषाध्यक्ष रवींद्र सिंह तंवर चुने गए हैं।

आज आएगा युधरा का ट्रेलर

बेधड़क. जयपुर। सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल स्टारर फिल्म 'युधरा' का ट्रेलर गुरुवार को आएगा। इसका अनाउंसमेंट बुधवार को मोशन वीडियो में किया गया। यह मवी 20 सितंबर को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक मनोरंजक मोशन वीडियो जारी किया है जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी युधरा के रूप में दिखाई दे रहे हैं और राघव जुयाल एक निर्दयी शफीक के रूप में। फिल्म में मालविका मोहनन हीरोइन हैं। मूवी का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है। इस फिल्म में राघव जुयाल एक बार फिर खलनायक की भूमिका में नज़र आएंगे। इससे पहले उन्होंने एक्शन फिल्म किल में विलन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अभिनेता गजराज राव और राम कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी और पटकथा फरहान और श्रीधर राघवन ने लिखी है। इसकी घोषणा फरवरी 2021 में की गई थी।

रवींद्र मंच पर 'सिंध 1946' का मंचन

नाटक में बयां की सिंधी समाज की विभाजन के दौरान की दशा

बेधड़क | जयपुर

अर्जुन नाट्य संस्था की ओर से सिन्ध 1946 नाटक का रवींद्र मंच पर मंचन किया गया। महबूब, रितिक लालानी और अपूर्वा चतुर्वेदी के निर्देशन में मंचित नाटक में बताया गया कि विभाजन की त्रासदी दोनों देशों के लोगों ने झेली।

कई कहानियों में हिन्दू और सिखों तो कई कहानियों में मुसलमानों की पीड़ाओं को दिखाया गया। एक ऐसा तबका, जिसे सबसे कम दिखाया गया सिंधी समाज था। यह नाटक विभाजन की पीड़ा को नहीं दर्शाता बल्कि भाईचारे व एकता की खूबसूरत व्याख्या करता है।

नाटक सिंध 1946: 1946 से 1947 के भयानक दौर में सिंध, पाकिस्तान में एक ही जनजाति के छह पात्रों किक्का, अदल, टोपन, जस्सू, गंगा और घनवा के जीवन पर प्रकाश डालता है। नाटक निर्देशक सिकंदर खान के मार्ग दर्शन में तैयार किया गया। नाटक में अपूर्वा चतुर्वेदी, मो. दाऊद कुरैशी, सुमन सुहाग, महेश शर्मा, रितिक ललनी, राजीव बैरवा, रोहिताश योगी, खुशी शर्मा, जितेंद्र अनिल कुमार, महबूब, जेबा, जय सेनी ने के मुख्य किरदार निभाए। नाटक में सहायक निर्देशक महेश शर्मा व खुशी शर्मा रहे। लाइट संचालक अभय चतुर्वेदी थे और संगीत का संचालन किया विशेष वर्मा ने किया। सेट डिजाइन रोहिताश योगी ने किया और वस्त्र विन्यास व रूप सज्जा जय सेनी द्वारा की गई।

गैजेट्स के दैनिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा

टेक्नोलॉजी से फायदा, लेकिन अत्याधिक इस्तेमाल से खतरा

बेधड़क | जयपुर

'आज के दौर में हर कोई गैजेट्स से सीधे तौर पर कनेक्ट है। इससे कई तरह बदलाव भी देखने को मिले हैं। वहीं बच्चों के गलत तरीके से इस्तेमाल के कारण उनकी बौद्धिक क्षमता कमजोर भी हुई है। हालांकि, कोविड के दौर में यह ज्यादा चलन की वस्तु बन गई है। कुछ जगहों पर टेक्नोलॉजी की वजह से फायदा भी हुआ है, लेकिन अत्याधिक इस्तेमाल भी खतरे की तरह रहा है।' यह बात जयपुर इन्टिलेक्चुअल ग्रुप फाउंडर अलका बत्रा ने ग्रुप के सदस्यों की अशोक क्लब में हुई एक विशेष मीटिंग में कही। इस दौरान उन्होंने गैजेट्स के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

बैठक में चर्चा का विषय 'आधुनिक गैजेट्स का हमारे दैनिक जीवन पर प्रभाव' था। सभी सदस्यों ने अपने-अपने बिंदु विषय पर प्रस्तुत किए। इस चर्चा में कैमरे, म्यूजिक प्लेयर, अलार्म क्लॉक्स, मानचित्र और जीपीएस डिवाइस, कैलकुलेटर्स, फ्लैशलाइट्स, घड़ियां, नोटबुक और कागज, रिमाइंडर और कैलेंडर, लैंडलाइन फोन जैसे ऑब्जेक्ट पर बात हुई। इस चर्चा में अलका बत्रा, सरिता सिंह, अर्चना शर्मा, रजनीश सिंघवी, विद्या जैन, टीना साहनी, शशि माथुर, सुधीर माथुर, सपना महेश, रानू श्रीवास्तव, मीता सिंह, अपर्णा सहाय, राजुला लूना, विनोद भारद्वाज, अशोक राही, सुधीर कासलीवाल, प्रेरणा मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के मेजबान सुधीर गुप्ता थे

बैठक अखिल भारतीय साहित्य परिषद के कार्य विस्तार पर मंथन

सकारात्मक साहित्य से ही सकारात्मक समाज का निर्माण

बेधड़क | जयपुर

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की प्रांतीय बैठक का आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय के अतिथि गृह सभागार में बुधवार को किया गया।

बैठक की अध्यक्षता राजस्थान प्रवास पर आए अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मनोज, क्षेत्रीय संगठन मंत्री विपिन पाठक के सानिध्य और प्रांत अध्यक्ष डॉ.ओम प्रकाश भार्गव ने की। दो सत्रों में हुई इस बैठक में परिषद की रीति नीति,परिषद के उद्देश्य, परिषद के क्रियाकलापों द्वारा उद्देश्यों की प्राप्ति, कार्यकर्ता निर्माण, परिषद का समाज क्षेत्र व अन्य साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ाव, सकारात्मक साहित्य सृजन से सकारात्मक समाज निर्माण आदि से संबधित विषयों पर गहन चिंतन किया गया

भौगोलिक स्वरूप पर हो इकाई का गठन

राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री मनोज ने नगर, जिला, संभाग व प्रांत स्तर तक के भौगोलिक स्वरूप के आधार पर साहित्यिक इकाई गठन व निष्क्रिय इकाइयों की सक्रियता व निरंतर प्रवास से संबधित दिशा बोध दिया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. विपिन बिहारी पाठक ने परिषद की क्षेत्रीय सांगठनिक संरचना व उद्देश्यों पर सविस्तार प्रकाश डाला।

विषय लेखन व सार्थक प्रस्तुति पर चर्चा

प्रांत अध्यक्ष डॉ.ओम प्रकाश भार्गव ने प्रांत द्वारा विभिन्न इकाइयों के माध्यम से किए गए साहित्यिक व सांस्कृतिक क्रियाकलापों की जानकारी और कार्य विस्तार योजना पर चर्चा प्रस्तुत की। प्रांत महामंत्री राजेंद्र शर्मा ने प्रांत के आगामी प्रमुख कार्यक्रमों व विभिन्न विधाओं के माध्यम से विषय लेखन व सार्थक प्रस्तुति पर चर्चा की।

प्रमुख साहित्यिक इकाइयों का पुनर्गठन हो

प्रांत कार्यकारिणी के डॉ. संजय यादव और विकास बागड़ा ने जयपुर महानगर में भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार चार प्रमुख साहित्यिक इकाइयों के पुनर्गठन का विचार दिया। जगदीश माली, डॉ.कुसुम, डॉ.ममता जोशी और गिरधारी सिंह गिरधर ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

पेरिस में टेलीग्राम CEO की गिरफ्तारी से नाराज संयुक्त अरब अमीरात, दुबई में स्थित है टेलीग्राम चैनल का ऑफिस

यूएई ने फ्रांस से 80 राफेल जेट डील की सस्पेंड

दुबई। टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव की फ्रांस में गिरफ्तारी से नाराज यूएई ने बुधवार को फ्रांस से 80 राफेल फाइटर जेट खरीदने की डील सस्पेंड कर दी है। यूएई ने 2021 में फ्रांस की एरोस्पेस कंपनी डसॉल्ट के साथ 80 फाइटर जेट खरीदने का सौदा किया था। इनकी डिलीवरी 2027 तक होनी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अब यूएई डुरोव की गिरफ्तारी की वजह से फ्रांस के साथ हर तरह के मिलिट्री और तकनीकी को-ऑपरेशन खत्म करने पर विचार कर रहा है।

जन्मे रूस में, कई देशों में रहे... दफ्तर दुबई में

दरअसल, टेलीग्राम के CEO पावेल डुरोव का जन्म रूस में हुआ था। सोशल मीडिया कंपनी टेलीग्राम की स्थापना के बाद डुरोव ने कई देशों में रहे। 2017 में दुबई में टेलीग्राम का हेडक्वार्टर बनाया। इस दौरान उन्होंने UAE की नागरिकता भी ले ली थी। 2021 में फ्रांसीसी नागरिकता भी हासिल की।

टेलीग्राम CEO के हनी ट्रैप में फंसने का शक, यूलिया की वजह से हुई गिरफ्तारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी गिरफ्तारी के बाद से उनकी 24 साल की गर्लफ्रेंड यूलिया वाविलोवा लापता हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यूलिया की वजह से ही डुरोव की गिरफ्तारी हुई है। वे डुरोव के साथ एक प्राइवेट जेट में अजरबैजान से पेरिस पहुंची थीं। हैरानी की बात है कि फ्रांस में डुरोव पर 12 केस दर्ज थे। इसके बाद भी वे वहां गए। सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया जा रहा है कि यूलिया की वजह से ही डुरोव गिरफ्तार हुए। दरअसल जब वे दोनों पेरिस पहुंचे तो यूलिया ने डुरोव के प्राइवेट जेट से कई सारी इंस्टा स्टोरी पोस्ट कीं। कहा जा रहा है कि इसी वजह से पुलिस को पता चला और डुरोव की गिरफ्तारी हुई।

रूस के जुकरबर्ग माने जाते हैं डुरोव

रूस में जन्मे डुरोव ने अपने भाई के साथ मिलकर 2013 में टेलीग्राम की स्थापना की थी। उन्हें रूस का जुकरबर्ग भी कहा जाता है। रूसी सरकार उनसे रूसी जनता से जुड़ा डेटा मांग रही थी, जिससे परेशान होकर उन्होंने 2014 में देश छोड़ दिया था और सेंट किट्स एंड नेविस की नागरिकता हासिल कर ली थी। शुरुआती कुछ साल में डुरोव ने कई देशों में सफर किया। उन्होंने 2017 में दुबई में अपना हेडक्वार्टर स्थापित किया। डुरोव ने 2021 में फ्रांसीसी नागरिकता हासिल की थी, हालांकि गिरफ्तारी के पहले तक UAE ही उनका ठिकाना था।

डुरोव को कानूनी सलाहकार मुहैया कराएगा यूएई विदेश मंत्रालय

यूएई के विदेश मंत्रालय ने डुरोव को कॉन्सुलर सहायता दिलाने के लिए भी फ्रांस के अधिकारियों से संपर्क किया है। मंगलवार को कहा था, 'हम डुरोव के मामले पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं। हमारे नागरिकों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा यूएई के लिए सबसे जरूरी है।'

डुरोव की गिरफ्तारी से फ्रांस-रूस के रिश्ते भी खराब

डुरोव की गिररफ्तारी के बाद रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 27 अगस्त को कहा था, 'डुरोव की गिरफ्तारी के बाद रूस और फ्रांस के रिश्ते सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। फ्रांस ने टेलीग्राम के यूएई पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं, जिन्हें साबित करने के लिए उतने ही गंभीर सबूतों की भी जरूरत होगी।' डुरोव पर टेलीग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री के आदान-प्रदान का जरिया, ड्रग ट्रैफिकिंग और संगठित अपराध को बढ़ावा देने का आरोप है। उन्हें सूचनाएं साझा नहीं करने के आरोप में 24 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। फ्रांस के कानून के मुताबिक, डुरोव को 4 दिन तक हिरासत में रखा जा सकता है। इसके बाद जज डुरोव पर आरोप तय करेंगे या फिर उन्हें रिहा किया जाएगा।

इजराइली कमांडो ने गाजा की सुरंग में घुसकर चलाया ऑपरेशन

हमास के कब्जे से छुड़ाया

एजेंसी | तेल अवीव

इजराइल की सेना (IDF) ने एक स्पेशल अभियान में हमास के कब्जे से इजराइली बंधक को जिंदा छुड़ाने में सफलता हासिल की है। इजराइल की सेना ने कहा कि 52 वर्षीय कायद फरहान अलकादी को दक्षिणी गाजा पट्टी में एक अभियान के तहत छुड़ा लिया गया। अलकादी को बीते साल सात अक्टूबर के हमले के दौरान हमास के आतंकियों ने अगवा कर लिया था। 10 महीने से अधिक समय तक कैद में रहने के बाद मंगलवार को आतंकी समूह की एक सुरंग से आईडीएफ के विशेष बलों ने उन्हें सुरक्षित बचा लिया। आईडीएफ ने बताया कि अलकादी को हमास की एक सुरंग के अंदर पाया गया। कायद फरहान अलकादी अरब बेडौइन समुदाय से हैं। 7 अक्टूबर को हमले के दिन वह गाजा की सीमा से 5 किलोमीटर दूर किबुत्ज मैगन में पैकिंग फैक्ट्री में गार्ड के रूप में काम कर रहे थे। हमास के आतंकवादियों ने उन्हें अगवा कर लिया था और अन्य बंधकों के साथ गाजा लेकर गए थे। अलकादी के दो बीवियां और 11 बच्चे हैं।

खुफिया इनपुट से पहुंचे कमांडो

आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियर हगारी ने ऑपरेशन को साहसी और जटिल बताया। हगारी ने सटीक और खुफिया जानकारी के आधार पर सैनिक उस क्षेत्र में पहुंचे, जहां अलकादी को रखा गया था। हगारी ने उन अफवाहों को खारिज किया कि अल-कादी से सुरंग से भागने में सफल रहे थे। उन्होंने कहा कि 'सैनिकों ने फरहान को जमीन के अंदर से बचाया। वह हमारे बलों से जमीन के अंदर (सुरंग) मिले।'

ऐसे खोजा अलकादी

सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अलकादी को इजराइली विशेष बलों ने संयोग से नहीं खोजा था। रिपोर्ट के अनुसार आईडीएफ कई दिनों से दक्षिणी गाजा पट्टी के एक इलाके में काम कर रही थी। खुफिया इनपुट से पता चला था कि इस इलाके में बंधकों को रखा जा सकता है। शायेट 13 कमांडो और शिन बेट के एजेंटों ने धीरे-धीरे इलाके में एक सुरंग परिसर की तलाशी शुरू की, जहां उन्हें अलकादी मिले। विशेष बलों ने अलकादी को जहां ढूंढ़ा। वहां कोई अन्य बंधक या हमास के आतंकी नहीं थे।

यूक्रेन के ड्रोन हमले में बर्बाद रूस का तेल डिपो...

नहीं बुझ रही तेल टैंकरों में लगी आग

एजेंसी | मॉस्को

रूस के दक्षिणी इलाके में मौजूद रोस्तोव के कमेंस्की जिले में तेल डिपो को यूक्रेन ने उड़ा दिया है। यूक्रेन के ड्रोन हमले में तेल डिपो के कई टैंकर जल गए हैं। लगातार जल रहे हैं। उनमें से अब भी आग निकल रही है। रोस्तोव के गवर्नर वसिली गोलुबेव ने कहा कि इस हमले में किसी की जान नहीं गई। न ही कोई जख्मी हुआ है। उन्होंने यह जानकारी अपने टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर डाली। फायर फाइटर्स आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस इलाके में रूसी एयर डिफेंस ने यूक्रेन के चार ड्रोन्स मार गिराए, लेकिन मंत्रालय ने तेल डिपो के बारे में कुछ भी नहीं कहा। सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर ये दिखाया कि कैसे यूक्रेन के ड्रोन हमले में तीन तेल टैंक्स जल रहे हैं। ये कमेंक्सी ऑयल डिपो का हिस्सा है। यहां पर दो ड्रोन से हमला हुआ था। जिसकी वजह से रात में काफी तेज रोशनी, धमाका और धुआं निकलता दिखाई दे रहा है।

रूस का दावा-ड्रोन हमलों को किया नाकाम

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने वोरोनेह इलाके के ऊपर आठ ड्रोन हमलों को बेकार किया। लेकिन इसकी डिटेल नहीं बताई। रूस की सरकार और डिफेंस मिनिस्ट्री अपने ऊपर हो रहे हमलों और नुकसान की जानकारी खुल कर नहीं दे रही है। यूक्रेन और रूस में करीब 30 महीने से जंग चल रही है।

उधर, वेस्ट बैंक पर इजराइली हमला, 10 की मौत

वेस्ट बैंक। इजराइली सेना ने गाजा में अपने 10 महीने से चल रहे भीषण युद्ध के साथ-साथ एक नया अभियान शुरू कर दिया है। बुधवार को इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक को निशाना बनाया। यहां आईडीएफ रॉकेट, ड्रोन और बुलडोजर के साथ वेस्ट बैंक के चार शहरों पर टूट पड़ी। इस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl